गुरुत्व

साप्ताहिक ई-पत्रिका

Signature

23dec2018

Nonprofit Publications

FREE
E CIRCULAR

गुरुत्व ज्योतिष
साप्ताहिक ई-पत्रिका
16 दिसम्बर से
22 दिसम्बर 2018

संपादक

चिंतन जोशी

संपर्क

गुरुत्व ज्योतिष विभाग

गुरुत्व कार्यालय
92/3. BANK COLONY,
BRAHMESHWAR PATNA,
BHUBNESWAR-751018,
(ODISHA) INDIA

फोन

91+9338213418,
91+9238328785,

ईमेल

gurutva.karyalay@gmail.com,
gurutva_karyalay@yahoo.in,

वेब

www.gurutvakaryalay.com
www.gurutvakaryalay.in
http://gk.yolasite.com/
www.shrigems.com
www.gurutvakaryalay.blogspot.com/

पत्रिका प्रस्तुति

चिंतन जोशी,
गुरुत्व कार्यालय

फोटो ग्राफिक्स

चिंतन जोशी,
गुरुत्व कार्यालय

अनुक्रम

स्थायी और अन्य लेख

प्रिय आत्मिय,

बंधु/ बहिन

जय गुरुदेव

इस साप्ताहिक अंक में हमने हस्ताक्षर - के बारे में खास बात है से आपको परिचित कराने का प्रयास किया है कि आप अपना नाम कैसे लिखते है?

अंक ज्योतिष के अनुशार आप कैसे अपना नाम हस्ताक्षर मे केसे लिखते है यह बहोत महत्वपूर्ण है। अधिक महत्वपूर्ण कैसे आप अपने हस्ताक्षर के बाकी हिस्से. यह हस्ताक्षर का लेखन से आप के बारे में विभिन्न जानकारी देता है। जो बात आपके हस्ताक्षर मे है ? क्या वह बात किसी और के लेखन या किसी और के हस्ताक्षर में है?

आपके लेखन के अन्य शब्दों की लिखाइ से फर्क नहीं पड़ता जो आपके हस्ताक्षर का नहीं हिस्सा है।

आपके हस्ताक्षर आपका व्यक्तित्व और दिल के बारे में दिखाते है जो वास्तविकता मे आप होते हैं।

यह आप का वह चेहरा होता है जो आप दुनिया को दिखाना चहते या दिखाते है।

यदि आपके हस्ताक्षर दो तरह के हैं, तब आपका एक सार्वजनिक व्यक्तित्व और एक निजी व्यक्तित्व होगा जिसके अंतर का विश्लेषण करना आवश्य होता हैं।

कुछ लोगों दिखावे वाले हस्ताक्षर पर जोर डालते है. एसे हस्ताक्षर वाले व्यक्ति अधिकतर नेता, अभिनेता और संगीतकार इत्यादि के रूप में होते है जो एक "दिखावे के कारोबार 'में होते हैं। क्योकि उनके जीवन मे उन्हें निरंतर लोगों की नजरों में बने रेहना होता है।

यह भी आवशयक है कि लोगों को अपनी आवशयक्ता के अनुशार हस्ताक्षर लागू करना चाहिये। किसे कौन से काम करने की आवश्यकता है उन्हें उसी के मुताबक निजी हस्ताक्षर विकसित करने चाहिये।

पहली बात यह देखने कि है कि एक हस्ताक्षर में वही लिखे जो आपकी आवशक्ता है और जो आप अपने जीवन मे बनना य प्राप्त करना चाहते है।

हस्ताक्षर का निश्चय अंक ज्योतिष के अनुशार करना सर्वदा उचित होता है।

इस साप्ताहिक ई-पत्रिका में संबंधित जानकारीयों के विषय में साधक एवं विद्वान पाठको से अनुरोध हैं, यदि दर्शाये गए मंत्र, श्लोक, यंत्र, साधना एवं उपायों या अन्य जानकारी के लाभ, प्रभाव इत्यादी के संकलन, प्रमाण पढ़ने, संपादन में, डिजाईन में, टाईपींग में, प्रिंटिंग में, प्रकाशन में कोई त्रुटि रह गई हो, तो उसे स्वयं सुधार लें या किसी योग्य ज्योतिषी, गुरु या विद्वान से सलाह विमर्श कर ले । क्योकि विद्वान ज्योतिषी, गुरुजनो एवं साधको के निजी अनुभव विभिन्न मंत्र, श्लोक, यंत्र, साधना, उपाय के प्रभावों का वर्णन करने में भेद होने पर कामना सिद्धि हेतु कि जाने वाली वाली पूजन विधि एवं उसके प्रभावों में भिन्नता संभव हैं।

आपका जीवन सुखमय, मंगलमय हो परमात्मा की कृपा

आपके परिवार पर बनी रहे। परमात्मा से यही प्राथना हैं ...चिंतन जोशी

***** साप्ताहिक ई-पत्रिका से संबंधित सूचना *****

- ई-पत्रिका में प्रकाशित सभी लेख गुरुत्व कार्यालय के अधिकारों के साथ ही आरक्षित हैं।
- ई-पत्रिका में वर्णित लेखों को नास्तिक/अविश्वासु व्यक्ति मात्र पठन सामग्री समझ सकते हैं।
- ई-पत्रिका के लेख आध्यात्म से संबंधित होने के कारण भारतिय धर्म शास्त्रों से प्रेरित होकर प्रस्तुत किया गया हैं।
- ई-पत्रिका में प्रकाशित लेख से संबंधित किसी भी विषयो कि सत्यता अथवा प्रामाणिकता पर किसी भी प्रकार की जिन्मेदारी कार्यालय या संपादक कि नहीं हैं।
- ई-पत्रिका में प्रकाशित जानकारीकी प्रामाणिकता एवं प्रभाव की जिन्मेदारी कार्यालय या संपादक की नहीं हैं और ना हीं प्रामाणिकता एवं प्रभाव की जिन्मेदारी के बारे में जानकारी देने हेतु कार्यालय या संपादक किसी भी प्रकार से बाध्य हैं।
- ई-पत्रिका से संबंधित लेखो में पाठक का अपना विश्वास होना आवश्यक हैं। किसी भी व्यक्ति विशेष को किसी भी प्रकार से इन विषयो में विश्वास करने ना करने का अंतिम निर्णय स्वयं का होगा।
- ई-पत्रिका से संबंधित किसी भी प्रकार की आपत्ती स्वीकार्य नहीं होगी।
- ई-पत्रिका से संबंधित लेख हमारे वर्षो के अनुभव एवं अनुशंधान के आधार पर दिए गये हैं। हम किसी भी व्यक्ति विशेष द्वारा प्रयोग किये जाने वाले धार्मिक, एवं मंत्र- यंत्र या अन्य प्रयोग या उपायोकी जिन्मेदारी नहिं लेते हैं। यह जिन्मेदारी मंत्र- यंत्र या अन्य उपायोको करने वाले व्यक्ति कि स्वयं कि होगी।
- क्योकि इन विषयो में नैतिक मानदंडों, सामाजिक, कानूनी नियमों के खिलाफ कोई व्यक्ति यदि नीजी स्वार्थ पूर्ति हेतु प्रयोग कर्ता हैं अथवा प्रयोग के करने मे त्रुटि होने पर प्रतिकूल परिणाम संभव हैं।
- ई-पत्रिका से संबंधित जानकारी को माननने से प्राप्त होने वाले लाभ, लाभ की हानी या हानी की जिन्मेदारी कार्यालय या संपादक की नहीं हैं।
- हमारे द्वारा पोस्ट किये गये सभी जानकारी एवं मंत्र-यंत्र या उपाय हमने सैकडोबार स्वयं पर एवं अन्य हमारे बंधुगण पर प्रयोग किये हैं जिस्से हमे हर प्रयोग या कवच, मंत्र-यंत्र या उपायो द्वारा निश्चित सफलता प्राप्त हुई हैं।
- ई-पत्रिका में गुरुत्व कार्यालय द्वारा प्रकाशित सभी उत्पादों को केवल पाठको की जानकारी हेतु दिया गया हैं, कार्यालय किसी भी पाठक को इन उत्पादों का क्रय करने हेतु किसी भी प्रकार से बाध्य नहीं करता हैं। पाठक इन उत्पादों को कहीं से भी क्रय करने हेतु पूर्णतः स्वतंत्र हैं।

अधिक जानकारी हेतु आप कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

(सभी विवादो केलिये केवल भुवनेश्वर न्यायालय ही मान्य होगा।)

आपके हस्ताक्षर भी बोलते हैं ?

संकलन गुरुत्व कार्यालय

हस्ताक्षर - के बारे में खास बात है कि आप अपना नाम कैसे लिखते है?

अंक ज्योतिष के अनुशार आप कैसे अपना नाम हस्ताक्षर मे केसे लिखते है यह बहोत महत्वपूर्ण है। अधिक महत्वपूर्ण कैसे आप अपने हस्ताक्षर के बाकी हिस्से. यह हस्ताक्षर का लेखन से आप के बारे में विभिन्न जानकारी देता है। जो बात आपके हस्ताक्षर मे है ? क्या वह बात किसी और के लेखन या किसी और के हस्ताक्षर में है?

आपके लेखन के अन्य शब्दों की लिखाइ से फर्क नहीं पड़ता जो आपके हस्ताक्षर का नहीं हिस्सा है।

आपके हस्ताक्षर आपका व्यक्तित्व और दिल के बारे में दिखाते है जो वास्तविकता मे आप होते हैं।

यह आप का वह चेहरा होता है जो आप दुनिया को दिखाना चहते या दिखाते है।

यदि आपके हस्ताक्षर दो तरह के हैं, तब आपका एक सार्वजनिक व्यक्तित्व और एक निजी व्यक्तित्व होगा जिसके अंतर का विश्लेषण करना आवश्य होता हैं।

कुछ लोगों दिखावे वाले हस्ताक्षर पर जोर डालते है. एसे हस्ताक्षर वाले व्यक्ति अधिकतर नेता, अभिनेता और संगीतकार इत्यादि के रूप में होते है जो एक "दिखावे के कारोबार 'में होते हैं। क्योकि उनके जीवन मे उन्हें निरंतर लोगों की नजरों में बने रेहना होता है।

यह भी आवशयक है कि लोगों को अपनी आवशयक्ता के अनुशार हस्ताक्षर लागू करना चाहिये। किसे कौन से काम करने की आवश्यकता है उन्हें उसी के मुताबक निजी हस्ताक्षर विकसित करने चाहिये।

पहली बात यह देखने कि है कि एक हस्ताक्षर में वही लिखे जो आपकी आवशक्ता है और जो आप अपने जीवन मे बनना य प्राप्त करना चाहते है।

हस्ताक्षर का निश्चय अंक ज्योतिष के अनुशार करना सर्वदा उचित होता है।

हस्ताक्षर साक्षर(शिक्षित) व्यक्ति के जीवन मे अहम हिस्सा है जो उस्के जीवन की सफ़लता एवं असफ़लता निश्चित करती है।

यदि आप के पास उचित जानकारी का अभाव होतो बेहतर होगा किसी परिचित कुशल हस्ताक्षर निरीक्षक कि सलाह ले।

यदि यह भी संभव न होतो हम से सम्पर्क कर सकते है।

किसी व्यक्ति के हस्ताक्षर को देखकर जीवन के प्रति उसकी मानसिकता, सफ़लता, कार्य करने के शैलि, लोगो से उस्क संबंध, पूर्ण विश्वास और चरित्र आदि का अनुमान सरलता से लगाया जा सकता है।

हस्ताक्षर व्यक्ति की संपुर्ण मानसिक स्थिति को प्रकट करता है। हस्ताक्षर की जाच करते (नमूना लेते वक्त)या करवाते वक्त (नमूना देते वक्त) अपनी सोच को स्वतन्त्र रखे बिना हिचकिचाए और बिना कुछ सोचे एवं पूरी दृढ़ता से हस्ताक्षर करे, तो वह हस्ताक्षर नमूना अध्ययन की दृष्टि से उचित होता है।

- हम ने कुछ एसे लोग को देखा है जो वास्तविक जीवन मे अलग तरह के हस्ताक्षर करते है, परंतु जाच के समय या उस्का विश्लेशण करते समय अलग तरह का हस्ताक्षर करते है! यह अनुचित है।
- वही हस्ताक्षर करे जो आप अपने वास्तविक जीवन मे करते है।
- हस्ताक्षर को बिना रुके होना चाहिए अर्थात हस्ताक्षर पूर्ण गति में बिना ज्यादा समय कलम रोके करना चाहिए।

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर मे सभी अक्षर एक ही आकार (संतुलित हस्ताक्षर) के हो ।

- व्यक्ति अत्यंत व्यवहारकुशल होते हैं।
- व्यक्ति अपने कार्यों एवं इरदो पर दृढ़ रहते हैं।
- ऐसे व्यक्ति जो भी निर्णय लेते हैं, वह स्वतंत्र होता है।
- एसे व्यक्ति व्यवसाय से ज्यादा नौकरी मे सफ़ल हो एसा संभव है।
- जल्द कामयाबी हासल करने की तीव्र इच्छा इनमें रहती है।
- इनका व्यक्तित्व दूसरो आकर्षित करने मे प्रबल होता है।
- इनके विचारों से प्रभावित होने वालो की संख्या ज्यादा होती हैं।

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर का प्रथाम अक्षर काफी बडा रखता हो।

- वह व्यक्ति उतना ही विलक्षण प्रतिभा का घनी, समाज में काफी लोकप्रिय होता है।
- व्यक्ति समाज मे उच्चा पद प्राप्त करने वाला होता है।
- दिखावा करने मे माहीर होता है।

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर में पहला शब्द बडा व बाकी के शब्द सुन्दर-छोटे आकार में होते हैं।

- ऐसा व्यक्ति धीरे-धीरे उच्चा पद प्राप्त करते हुए सर्वोच्चा स्थान प्राप्त करते है।
- ऐसा व्यक्ति जीवन में पैसा बहुत कमाता है।
- कई भूमि-भवनो का मालिक बनता है व समाज में काफी लोकप्रिय होता है,
- कला प्रेमि व संकोची स्वभाव का उत्तम श्रेणी का विद्वान होता है।
- वह अपने परिवार का काफी नाम रोशन करता है।

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर में पहला शब्द बडा व बाकी के शब्द अस्पष्ट व छोटे आकार में होते हैं ।

- ऐसा व्यक्ति जीवन को असामान्य रूप से व्यतीत करता है।
- हर समय ऊँचाई पर पहुँचने की ललक होती है, लेकिन शत्रु कि वजह से पहोच नही पाता।
- व्यक्ति राजनीति, अपराधी, कूटनीतिज्ञ या बहुत बडा व्यापारी बनता है।
- जीवन असामान्य रूप में व्यतीत करने के कारण परिवार के लोगों की अपेक्षा का शिकार होते है।

- ❖ कोइ व्यक्ति इनहे घोखा खा नहीं दे सकता है। यह इनकी विशेष सोच होती है।
- ❖ लेकिन यह लोग दूसरोको आसनी से अपनी बातो मे उलझाना बखुबी जानते है।

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर अस्पष्ट तथा जल्दी-जल्दी मे लिखते हो।

- ❖ अपने मन कि बात किसी को नही बताने वाले।
- ❖ अपनी मन की करने वाले लापरवाह होते है।
- ❖ हर समय दूसरो के लिये नारजगी बनी रहती है।
- ❖ दिमाग मे हर समय कुछ एसा सोचते रहते है जो जल्द से जल्द कामयाबी के शिखर पर पहोचा दे।
- ❖ लेकिन ज्यादा तर इनकी सोच असफ़ल ही रहती है।

किसी भी व्यक्ति के व्यक्तिगत एवं सामाजिक व्यवहार को जानने का सरल तरीका हैं उसके हस्ताक्षर कि लिखावट। यहा हम आपकी सुविधा हेतु इसे श्रेणीयों में विभाजीत कर रहे हैं।

- ❖ बहिर्मुखी व्यक्तित्व,
- ❖ अन्तर्मुखी व्यक्तित्व और
- ❖ मघ्यम (अर्थात ना ज्यादा बहिर्मुखी ना अन्तर्मुखी)

बहिर्मुखी व्यक्तित्व

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर को थोडा भार देकर लिखता है, हस्ताक्षर की छाप एक पेपर से दूसरे पेपर पर जाती हों, हस्ताक्षर को बडे एवं गोलाई में लिखता हों, जिसकी लिखावट दायीं बाजुसे थोडी झुकती हुई हों, एसे व्यक्ति समाजिक जीवन में प्रत्येक व्यक्ति के साथ

मिलझुल कर कार्य करने मे विश्वार रखते हैं। समाज सेवा के लिये अपना सब कुछ नौछावर करने हेतु तत्पर रेहते हैं, एवं अपने किये गये कार्यो हेतु गर्व अनुभव करते हैं। कई लोग में समाज से कुछ पाने की प्रबल इच्छा देखी जाती हैं।

अन्तर्मुखी व्यक्तित्व

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर को हलके हाथ से लिखता है, हस्ताक्षर की कोई छाप एक पेपर से दूसरे पेपर पर नहीं जाती हों, हस्ताक्षर छोटे एवं अस्पस्ट लिखते हों, जिसकी लिखावट बायीं बाजुसे थोडी झुकती हुई हों, एसे व्यक्ति का समाजिक जीवन बचपन में उपेक्षा का शिकार होने के कारण हिन भावना, उदासी जेसे कारण अन्तर्मुखी बनजाते हैं। एसे व्यक्ति को समाज से ज्यदा लगाव नहीं होता अपनीही धून में रमे रहने वाले होते हैं। उनका व्यवहार दूसरो के प्रति अच्छानहीं रेहता लेकिन खुद दूसरों से अच्छे व्यवहार की सदैव आश लागये रहते हैं। अपने अंदरकी बात किसी को सरलता से नहीं बतातें।

मघ्यम व्यक्तित्व (ना बहिर्मुखी ना अन्तर्मुखी)

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर को ना हलके हाथ से नाहीं ज्यदा जोर देकर लिखता है, हस्ताक्षर की लिखावट सीघी हो, हस्ताक्षर छोटे अथवा मधयम होकर एकदम स्पस्ट लिखते हों, एसे व्यक्ति का समाजिक जीवन सामन्य होता हैं। यह लोग नातो दिखाने मे विश्वास रखते हैं नाहीं छुपाने में यह लोग हर समय असामन्य परिस्थिती में होने पर भी सामान्य बने रेहने का प्रयाश करते हैं।

- ❖ अनुसंधानो में देखा गया हैं कि जो व्यक्ति सीघा लिखते हैं वह भविष्य में गोते लगाने से वर्तमान में जीनेमें अधिक विश्वास करते हैं। एसी लिखावट वाले यक्ति बडे आत्म-विश्वासी होते हैं, उनकी स्वतंत्र सोच के कारण निर्णय लेने की क्षमता गजब कि होती हैं एवं तर्कशास्त्र में विशेष रुचि रखते हैं।
- ❖ जिस व्यक्ति कि लिखावट का झुकाव दायीं तरफ होता हैं वह व्यक्ति बहिर्मुखी होते हैं, जिस कारण, सामाजिक प्रवृत्ति और व्यवहार कुशलता का विशेष गुण इनमें सरलता से देखने मिलजाता हैं। अपने कार्यो की प्रशंसा की विशेष चाह रखते हैं। एसे व्यक्ति अधिक कर्मशील होने से अपनए भविष्य को उज्ज्वल बनाने की चिंता के कारण व्यक्ति में सदा कुछ न कुछ क्रियात्मक कार्य करते हुए आगे बढते रहने की इच्छा रहती हैं। भावनात्मक प्रवृत्ति के कारण अन्य लोगों के प्रति संवेदनशील होते हैं तथा उनके बीच रहना भी पसंद करते हैं।
- ❖ जिस व्यक्ति कि लिखावट का झुकाव बायीं ओर होता है वह व्यक्ति शांत स्वाभाव के होते हैं। उनमें अकेला जीवन बिताने कि इच्छा अधिक रहती हैं। एसे व्यक्ति थोडे संवेदनशील होते हैं जिस वजह से लोग उन्हें डरपोक समझते हैं। व्यक्ति अपनी सोच एवं परिस्थिओं के कारण व्यक्ति हमेशा अपने आपमें खोया रहता हैं जिस्से वह सरलता से बाहर नहीं निकल पाते जिसके कारण आसानी से मित्र नहीं बना पाते हैं।
- ❖ जिस व्यक्ति कि लिखावट बार-बार बदते रहते हैं वह व्यक्ति अस्थिर मानसिकता वाले होते हैं। एसे व्यक्ति अधिक धन का अपव्यय करने वाले, थोडे लापरवाह, हर जगह अपनी मर्जि चलाने वाले, जिद्दी किस्म के होते हैं। लोग इन पर शीघ्र विश्वास नहीं कर पाते यदि कोइ कर ले तो उनका विश्वार बरकरार रखने में भी यह असमर्थ होते हैं। मानसिक चिंता हर समय लगी रहती हैं। इनका व्यवसाय या नौकरी में बार बार परिवर्तन होते रहते हैं।

सर्व कार्य सिद्धि कवच

जिस व्यक्ति को लाख प्रयत्न और परिश्रम करने के बादभी उसे मनोवांछित सफलताये एवं किये गये कार्य में सिद्धि (लाभ) प्राप्त नहीं होती, उस व्यक्ति को सर्व कार्य सिद्धि कवच अवश्य धारण करना चाहिये।

कवच के प्रमुख लाभ: सर्व कार्य सिद्धि कवच के द्वारा सुख समृद्धि और **नव ग्रहों** के नकारात्मक प्रभाव को शांत कर धारण करता व्यक्ति के जीवन से सर्व प्रकार के दु:ख-दारिद्र का नाश हो कर सुख-सौभाग्य एवं उन्नति प्राप्ति होकर जीवन मे सभि प्रकार के शुभ कार्य सिद्ध होते हैं। जिसे धारण करने से व्यक्ति यदि व्यवसाय करता होतो कारोबार मे वृद्धि होति हैं और यदि नौकरी करता होतो उसमे उन्नति होती हैं।

- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **सर्वजन वशीकरण** कवच के मिले होने की वजह से धारण कर्ता की बात का दूसरे व्यक्तिओ पर प्रभाव बना रहता हैं।
- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **अष्ट लक्ष्मी** कवच के मिले होने की वजह से व्यक्ति पर सदा मां महा लक्ष्मी की कृपा एवं आशीर्वाद बना रहता हैं। जिस्से मां लक्ष्मी के अष्ट रुप (१)-आदि लक्ष्मी, (२)-धान्य लक्ष्मी, (३)- धैर्य लक्ष्मी, (४)-गज लक्ष्मी, (५)-संतान लक्ष्मी, (६)-विजय लक्ष्मी, (७)-विद्या लक्ष्मी और (८)-धन लक्ष्मी इन सभी रुपो का अशीर्वाद प्राप्त होता हैं।
- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **तंत्र रक्षा** कवच के मिले होने की वजह से तांत्रिक बाधाए दूर होती हैं, साथ ही नकारात्मक शक्तियो का कोइ कुप्रभाव धारण कर्ता व्यक्ति पर नहीं होता। इस कवच के प्रभाव से इर्षा-द्रेष रखने वाले व्यक्तिओ द्वारा होने वाले दुष्ट प्रभावो से रक्षा होती हैं।
- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **शत्रु विजय** कवच के मिले होने की वजह से शत्रु से संबंधित समस्त परेशानिओ से स्वतः ही छुटकारा मिल जाता हैं। कवच के प्रभाव से शत्रु धारण कर्ता व्यक्ति का चाहकर कुछ नही बिगाड़ सकते।

अन्य कवच के बारे मे अधिक जानकारी के लिये कार्यालय में संपर्क करे:

किसी व्यक्ति विशेष को सर्व कार्य सिद्धि कवच देने नही देना का अंतिम निर्णय हमारे पास सुरक्षित हैं।

रत्नों का अद्भुत रहस्य (फ़िरोजा एक विलक्षण रत्न)

संकलन गुरुत्व कार्यालय

गतांक से आगे...

फ़िरोजा शब्द अंदाज से 16 वीं सदी के आसपास फ्रेंच भाषा के तुर्की (Turquois) से प्राप्त हुवा था या गहरे नीले रंग का पत्थर (pierre turquin) से प्राप्त हुवा होगा या, इस के नाम मे बहोत सारे सहस्य है! नकली फ़िरोजा के अस्तित्व लागू होने से असली फ़िरोजा का महत्व कम हो गया है, फ़िरोजा को कई नामों से जाना जाता है,

खनिज समूह: मरकत समूह.

प्राप्ति स्थान:

फ़िरोजा के प्राप्ति स्थान बहोत सारे है। जिनमें से कुछ ही का उल्लेख वाणिज्यिक के लिए उत्तम होता है।, जिसकी गुणवत्ता और प्रभाव अच्छा हो उस का उल्लेख किया जारहा है। ईरान के मा'डन (Ma'dan) से ४५-५० किमी उत्तर पश्चिम में नेइशाबुर(निशापुर) जिसे भारत मे निशापुरी के नाम से जाना जता है। निशापुरी सबसे अच्छा होता है इस्का रंग एवं प्रभाव बाकी जगाओ से प्राप्त से उत्तम होता है। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया. में चीन, ब्राजील, मेक्सिको, संयुक्त राज्य अमरीका, इंग्लैंड, बेल्जियम और भी बहोत सारी जगाहो से प्राप्त होता है।

प्राकृतिक सुंदर फ़िरोजा फ़ायदेमंद है।

मूल यह एक 100% प्राकृतिक रत्न पत्थर है। (खनन/खादान के माध्यम से प्राप्त)

फ़िरोजा के लाभ

- फ़िरोजा को एक आध्यात्मिक रूप में सहायता हेतु प्रयोग किया जाता है।
- किसी भी स्थिति में, जहां स्पस्ट बात करने की आवश्यक है, वहा व्यक्ति की बात मे एक प्रकार के गुण उत्पन्न करती है जो उसे दूसरो से अलग और ज्यदा स्पस्ट सुवक्ता बनने मे मदद करता है।
- व्यक्ति को दोस्तों के बीच खुले विचार, प्यार और नि:स्वार्थ संबंध के प्रवाह को सक्षम करने के लिए,

फ़िरोजा उपयोगकर्ता के अंदर समग्र मानसिक स्थिति को बढ़ाने मे, सकारात्मक सोच, संपूर्णता, अंतर्ज्ञान, बुद्धि, मानसिक अधिक स्थिरता और आत्म का विकास कर उसको जानने के लिए अग्रणी बनाता है।

- फ़िरोजा के लिये कहा जाता ह। इस रत्न का लाभ सभी राशि के लोगो द्वारा उपयोग किया जा सकता है, इसे दुनिया मे सभी उम्र और सब धर्म के लोगो मे इस्तेमाल सबसे आम पहलू यह है, कि प्रत्येक संस्कृति और हर धर्म मे फ़िरोजा के लाभ का सम्मान करते है।
- पहनने वाला के परिवार को मुसीबत से बचाया है विशेष रूप से पति और पत्नी बीच , नफ़रत को नष्ट करता है और प्यार बढ़ाता है।
- इस रत्न की अदृश्य स्त्रोतों से आने वाली ऊर्जा आप के लिए उप्योगी हो सकती है।
- फ़िरोजा के रंग मे बदलाव होता रहता है।
- यदि यह गहरे नीले रंग का हो तो यह अच्छा शगुन है।
- यदि यह गहरे हरे रंग का हो तो यह माध्यम है।
- परन्तु अगर यह पीला हो जाता है यह एक बुरा शगुन है।
- फ़िरोजा को दोस्ती केलिये एक अच्छा संकेत माना जाता है अगर किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा उपहार मे प्राप्त हो।
- अगर इमे धागे के समान रेखा दिखाई देती है, यह शत्रुता उत्पन्न होने का संकेत है।
- यह भी अविवाहित लड़कियों को पेहनाने से उनके विवाह शीघ्र होता है।

लाभ:-

- यह चीन मे व्यापक रूप से फेंग शुई और क्रिस्टल चिकित्सा में इस्तेमाल किया है।
- शराब की लत छुडाने के लिए क्रिस्टल चिकित्सकों द्वारा फ़िरोजा की सिफारिश की जाती है।
- संक्रमण,ऊँचा रक्तचाप, अस्थम, दाँत और मुँह की समस्या एवं सूर्य के विकिरण से रक्षा होती है।
- यह ज्यादातर बाज़र मे बिकने वाले फ़िरोजा जेसे पत्थर असली नहीं होते।
- एक असली या नकली फ़िरोजा को पहचान ने के लिये, इसकी सतह को देखे असली कि सतह खुर्दरी और समतल या सपाट नहीं होती, एवं नकली फ़िरोजा की सतह समतल या सपाट होती है।

चिकित्सा अस्वीकृति

- ऊपर उल्लेख फ़िरोजा सब वर्णन के भारतीय और चीनी पौराणिक कथाओं के अनुसार हैं।

पत्थर के हीलिंग लाभ के लिये अपने चिकित्सक या अन्य स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर से सलाह ले एक विकल्प के रूप में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

>> क्रमश: अगले अंक में ...

प्रकृति की अलौकिक देन रुद्राक्ष धारण करने से लाभ

✍ संकलन गुरुत्व कार्यालय

गतांक से आगे...

रुद्राक्ष के विभिन्न लाभ

रुद्राक्ष का प्रयोग पूजा-पाठ, जप-तप इत्यादि धार्मिक कार्यों में तो अवश्य सफलता प्रदान करता हैं। इस के अलावा रुद्राक्ष औषधीय गुणों से भी भरपूर होता हैं। रुद्राक्ष कई रोगों में आराम पहूंचाने में विशेष लाभदायक सिद्ध होता हैं।

विभिन्न अंगो पर रुद्राक्ष धारण करने से प्राप्त होने वाले लाभ

- रुद्राक्ष धारण करने से कई प्रकार के स्नायु विकार दूर हो जाते हैं।
- रुद्राक्ष धारण करने से उच्च रक्त चाप एवं निम्न रक्तचाप को नियंत्रण में रखने में विशेष लाभकारी माना गया हैं।
- रुद्राक्ष धारण करने से टोन्सिल की समस्या दूर होती हैं। स्वर का भारीपन दूर होता हैं।
- रुद्राक्ष को कंठ में धारण करने से समस्त प्रकार के गले के रोगों का निवारण हो जाता हैं।
- रुद्राक्ष को भुजा पर धारण करने से वातरोग दूर होते हैं। शुक्राणुदोष समाप्त होते हैं एवं वीर्यकी वृद्धि होती हैं।
- रुद्राक्ष को दोनों भुजा पर धारण करने से मनुष्य का पक्षाघात अर्थात लकवे जनित रोगो से बचाव होता हैं।
- साफ रुद्राक्ष को पानी में तीन-चार घंटे भिगो ने के बाद उस पानी को पीने से बेचैनी, घबराहट व उल्टि की समस्या में राहत मिलती हैं।
- यदि नेत्रों में जलन हो रही हो, आंखो से धुंधला दिखाई देता हों, आंखो की ज्योति कमजोर हो रही हो, तो रुद्राक्ष को पानी में तीन-चार घंटे भिगो ने के बाद आंखों में उस पानी के छींटे मार कर आंखे कुछ पल के लिए बंध कर दे। फिर आंखे खोलने पर सब कुछ स्पष्ट दिखाई देने लगता हैं।
- फुंसियों की समस्या होने पर रुद्राक्ष को पत्थर पर पानी से घिस कर लेप बानाकर फुंसियों पर लगाने से फुंसियों शीघ्र ठिक होने लगती हैं।
- पेट दर्द में रुद्राक्ष के वजन से दोगुना वजन की कुटकी और मेनफल तीनों का कांजी के साथ पीसकर लेप बनाकर, गुनगुना कर नाभि पर लगाने से दर्द शीघ्र खत्म हो जाता हैं।
- चोट, मोच या सूजन की समस्या होने पर रुद्राक्ष, सोंठ, देवदारु, सहजन और सफेद सरसों को समान मात्रा में कांजी के साथ पीसकर लेप बनाकर उस स्थान पर लगाने से सूजन शीघ्र ठीक हो जाती हैं।
- यदि जले हुए स्थान पर रुद्राक्ष को पीसकर नारियल के तेल में मिलाकर लगाने से जलन तत्काल शांत हो जाती हैं और आराम मिलता हैं।
- सिर दर्द की समस्या हो तो रुद्राक्ष को पानी में घिसकर साथ में कपूर मिला करमाथे पर लगाने से सिरदर्द दूर हो जाता हैं।
- यदि कान पक गया हो, या कम सुनाई देता हो तो प्रतिदिन रुद्राक्ष डुबाए जल की कुछ बूंदें कान में

डालने से लाभ होता है व कान का दर्द दूर हो जाता हैं।

- कफ की समस्या हो, तो रुद्राक्ष, कमल, नीलकमल, रक्त चंदन, मुलहठी, देवदारु और खरैटी को समान मात्रा में लेकर चूर्ण बनाले। इस चूर्ण में गाय का घी और दूध मिलाकर लेप बनाकर उसे छाती लगाने से कफ शीघ्र कम होने लगता हैं।
- रुद्राक्ष का काढ़ा बनाने के लिए रुद्राक्ष, किशमिश, हरड़ और अड़ूसा की जड़ को समान मात्रा में लेकर उसके वजन से 32 गुना पानी में डालकर उबालें। जब पानी 1/8 अंश शेष रहे तब उतार लें फिर आवश्यक्ता अनुशार शहद के साथ में सेवन करें।
- जानकारों के मतानुशार रुद्राक्ष का काढ़ा अनेक रोगों को दूर करने वाला, शरीर को निरोगी रखने में सहायक, रक्त के शुद्धि करण हेतु उत्तम होता हैं।
- रुद्राक्ष का काढ़े में शहद मिलाकर दो से तीन ग्राम की मात्रा में प्रातःकाल सेवन करने से सांस से संबंधित बीमारियां और रक्तपित्त की समस्या में लाभदायक होता हैं।
- उच्च रक्तचाप या निम्न रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए। रुद्राक्ष के दस दाने ताम्बें के बर्तन में 50 ग्राम जल में भिगोकर प्रातःकाल नियमित रुप से सेवन करने से शीघ्र लाभ प्राप्त होता हैं।
- उच्च रक्तचाप की समस्या होने पर रुद्राक्ष की माला धारण करना लाभदायक होता हैं। रुद्राक्ष की माला रोगी के हृदय से लगी रहनी चाहिए।
- जोड़ों के दर्द और बदन दर्द की समस्या हो, तो रुद्राक्ष के दानो को तिल के तेल में 21 तक डूबाकर रखे, फिर शरीर के जिस हिस्से में दर्द हो उस स्थान पर धीरे-धीरे नियमित मलने से दर्द से छूटकारा मिलने लगता हैं।
- उदर से संबंधित व्याधि होने पर एक गिलास पानी में रुद्राक्ष के पांच दाने भिगों दें, नियमित सुबह उस जल का सेवन करें उदर व्याधि से शीघ्र मुक्ति मिलने लगती हैं।
- अनिद्रा की समस्या हो, जिन्हें हर रात सोते समय नींद की गोली(Sleeping pills) लेनि पडती हो। उनके लिए रामबाण हैं रुद्राक्ष की माला, माला को सोते समय तकिए के नीचे रखने से अनिद्रा की समस्या दूर होती हैं। नींद शीघ्र आती हैं व नींद की गोलियां लेने की आदत से मुक्ति मिलती हैं।
- खांसी होने पर 10 मुखी रुद्राक्ष को दूध के साथ घिसकर दिन में 3 बार सेवन करने से खांसी से जल्द राहत मिलने लगती हैं।
- जिन्हें गुस्सा अधिक आता हो, अनावश्यक गुस्सा आता हो, स्वभाव में चिड़चिडा पनरहता हो, उन्हें रुद्राक्ष की माला धारण करने से गुस्से पर नियंत्रण रखने में सहायता प्राप्त होती हैं।
- यदि बच्चा रात में डर जाता हो या रात में चौक कर उठ जाते हो उसे रुद्राक्ष पहनाने से लाभप्राप्त होता है।
- पांच मुखी रुद्राक्ष को चंदन की तरह घीस कर उसका तिलक करने से व्यक्ति जिससे भी बात करता हैं उस पर अपना प्रभाव अवश्य छोडता हैं।

>> क्रमश: अगले अंक में ...

वर्णमाला के अनुसार स्वप्न फल विचार

संकलन गुरुत्व कार्यालय

गतांक से आगे...

- स्वप्न में परी देखना कार्य में सफलता एवं भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होने का संकेत है।
- स्वप्न में पहाड़ देखना शत्रु पर विजय होने का संकेत है।
- स्वप्न में पम्प से पानी निकालते देखना व्यवसाय में रुकावट आने का संकेत है।
- स्वप्न में प्रसाद बाँटते देखना स्वास्थ्य लाभ एवं सुख -समृद्धि बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में पहाड़ पर चढ़ते देखना मान सम्मान एवं धन वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में पहाड़ से उतरते देखना व्यापार में समस्याएं आने का संकेत है।
- स्वप्न में परदेशी को देखना मनोकामना पूर्ति का संकेत है।
- स्वप्न में पटका (कमरबंद) बांधते देखना सामाजिक मान सम्मान एवं धन वृद्धि का संकेत है।
- स्वप्न में पटाखा देखना ख़ुशी मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पलंग देखना किसी से अपमानित होने का संकेत है।
- स्वप्न में पनघट को सूना देखना किसी से निमंत्रण मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पनघट पर भीड़ देखना – परिवार में उत्सव होने का संकेत है।
- स्वप्न में परिवार देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पनीर खाते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में पपीता खाते देखना पेट के रोग होने का संकेत है।
- स्वप्न में पहरेदार को देखना मूल्यवान वस्तु के चोरी होने का संकेत है।
- स्वप्न में पंजीरी खाते देखना किसी बीमारी के आने का संकेत है।
- स्वप्न में परछाई देखना अशुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पगड़ी देखना धन हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में पर्दा सफेद रंग का देखना समाज में मान हानि का संकेत है।
- स्वप्न में पर्दा काले रंग का देखना शीघ्र धन वृद्धि होने का संकेत है।
- स्वप्न में पर्वत या वृक्ष देखना दु:ख दूर होने धन लाभ मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में पर्स देखना कोई गुप्त कार्य पूरा होने का संकेत है।
- स्वप्न में पहिया देखना कार्य क्षेत्र में शीघ्र प्रगति होने का संकेत है।
- स्वप्न में पंडाल देखना किसी बड़े उत्सव में शामिल होने का संकेत है।
- स्वप्न में प्लेट देखना या उसमें खाना शुभ संकेत है।
- स्वप्न में पत्थर देखना सरकार से धन लाभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में पत्र लिखते देखना परेशानी होने का संकेत है।

- ❖ स्वप्न में प्याज खाते देखना दुर्भाग्य से सम्मुखिन होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में प्रशंसा सुनना अशुभ संकेत है।
- ❖ स्वप्न में प्याऊ बनवाना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में परीक्षा स्थल पर बैठे देखना कार्य में असफलता मिलने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पतंग उड़ते देखना लम्बी यात्रा पर जाने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पढ़ते या पढाते देखना कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पकवान खाते या बनाते देखना दुखो में वृद्धि होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पहिया देखना यात्रा सफलता मिलने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पानी देखना सुख समृधि बढ़ने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पानी पीते देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पानी पर चलते देखना कारोबार में हानि होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पोलिश करते देखना नौकरी में उन्नति होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पान का वृक्ष देखना संतान के लिए समृद्धि का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पागल को देखना शुभ कार्य में सफलता मिलने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पाउडर लगाते देखना समाज में मान सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पायल को बजते देखना स्त्री से वियोग होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पालकी पर बैठे देखना स्वस्थ्य संबंधित समस्या होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पालना देखना पारिवारिक सुख में वृद्धि होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पालना झुलाना संतान पक्ष को कष्ट होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पार्सल लेते खना आकस्मिक धन लाभ मिलने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पाताल देखना समाज में मान सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पार तैरकर करते देखना मान सम्मान बढ़ने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पिटारा देखना धन लाभ मिलने का का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पिजरा देखना स्वस्थ्य खराब होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पिजरा खाली देखना धन वृद्धि होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पिजरे में पक्षी देखना गृह कलेश होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पीपल देखना शुभ समाचार मिलने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पीला रंग देखना स्वास्थ्य खराब होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पीठ देखना बंधु-बांधवों से लाभ होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पीतल के बर्तन देखना धन लाभ होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पीली सरसों देखना सब प्रकार से मंगल होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पीली बिल्ली देखना अशुभ समाचार मिलने का संकेत हैं।
- ❖ स्वप्न में पुस्तकालय देखना सुख-समृधि बढ़ने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पुस्तक खोते देखना मानहानि होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पुस्तक मिलते देखना मान सम्मान में वृद्धि होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पुजारी बनते देखना कार्य क्षेत्र में उन्नति होने का संकेत है।
- ❖ स्वप्न में पुडिया बंधते देखना शारीरिक कष्ट बढ़ने का संकेत है।

- स्वप्न में पुरस्कार मिलते देखना किसी कार्य में हानि होने का संकेत है।
- स्वप्न में पुल पार करते देखना धन लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पुल टूटते देखना संकट से छुटकारा मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पूजा पाठ करते देखना सुख-शान्ति तथा समृद्धि मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पूर्वज देखना समृद्धि बढ़ने का संकेत है।
- स्वप्न में पूजा या प्रार्थना करते देख मानसिक शान्ति मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में प्रेम प्रस्ताव रखते देखना विवाह में विलंभ होने का संकेत है।
- स्वप्न में पेड़ पौधे देखना कार्य क्षेत्र में लाभ मिलने का संकेत है।
- स्वप्न में पेटी खोलते देखना चोरी होने का संकेत है।
- स्वप्न में पेशाब करते देखना पुराने संकट दूर होने व धनप्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में पैर कटे देखना शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्ति का संकेत है।
- स्वप्न में पैर खुजलाते देखना शीघ्र पर यात्रा जाने का संकेत है।
- स्वप्न में पैबंद लगाना कष्ट मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में पैसा मिलना मुफ्त का धन मिलने का संकेत हैं।
- स्वप्न में पेन या पेंसिल देखना परीक्षा में सफलता प्राप्त होने का संकेत हैं।
- स्वप्न में पोछा लगाना स्थान परिवर्तनहोने का संकेत हैं।
- स्वप्न में पोशाक पहनना किसी बीमारी के आगमन का संकेत हैं।

>> क्रमशः अगले अंक में ...

अंक ज्योतिष का रहस्य

संकलन गुरुत्व कार्यालय

गतांक से आगे..

भाग्यांक फल

जन्म दिनांक के कुल अंकों के जोड़ को भाग्यांक अथवा संयुक्तांक (एक साथ निकलनेवाला अंक) होता हैं।

जिसमें जन्म तारीख, जन्म माह एवं जन्म वर्ष सभी का एक साथ जोड़ किया जाता हैं।

जैसे 19.01.2002 का योग

1 + 9 + 0 + 5 + 2 + 0 + 0 + 2 = 19

1 + 9 = 10

1 + 0 = 1

यह जोड़ के परिणाम स्वरुप प्राप्त1 का अंक ही व्यक्ति का भाग्यांक अथवा संयुक्तांक होता है।

इस प्रकार 1 से 9 तक के अंकों के भाग्यांक होते हैं जिस का प्रभाव क्रमशः एक दूसरे से भिन्न होता है।

इस साप्ताहिक अंक में हम भाग्यांक 1 वाले व्यक्ति के प्रभाव का विश्लेषण करने का प्रयास कर रहे है।

भाग्यांक 1 स्वामी सूर्य

भाग्यांक:- 1	सम-5-
स्वामी ग्रह:- सूर्य	स्व अंक-1
मित्र अंक:- 2,3,9	तत्व:- अग्नि
शत्रु अंक:- 6,8	

भाग्यांक 1 स्वामी ग्रह सूर्य जो अग्नि तत्व से प्रभावित है। भाग्यांक 1 वाले व्यक्ति सभी प्रकार के निर्णय लेने में चतुर और स्पष्ट वक्ता होते हैं, विद्वानों का कथन है की सूर्य ग्रह की प्रधानता वाले व्यक्ति जीवन में राजयोग का सुख भोगते हैं (अर्थात राजा के समान सुख प्राप्त करने वाले होते हैं) ठीक उसी प्रकार अंक शास्त्र के अनुशार भी भाग्यांक 1 वाले व्यक्ति भी जीवन में अपने कर्म से राजा के समान सुख को शीघ्र प्राप्त करने में सक्षम हो सकते हैं। व्यक्ति बल, बुद्धि और चातुर्य से संपन्न होते है। व्यक्ति सुख, समृद्धि वैभव प्रिय होते है।

भाग्यांक 1 वाले व्यक्ति स्वभाव से धीर, गंभीर, न्याय प्रिय एवं उदार हृदय के होते हैं, इस लिए व्यक्ति दूसरों की सहायता करने में भी तत्पर होते हैं। व्यक्ति में समाज के लिए कुछ कर गुज़रने की भावना भी प्रबल होती हैं, इस कारण व्यक्ति निरंतर अपने कार्य से ज्यादा दूसरों के कार्यों में उलझा रहता हैं। एसे व्यक्ति सामाजिक कार्यों से खुब नाम और यश प्राप्त करते हैं। व्यक्ति में सकारात्मक चिंताधारा कूट-कूट कर भरी होने के कारण अपने सहकर्मी और अपने नीचे कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करने की कलामें माहिर होते है। इस लिए व्यक्ति एसे कार्यक्षेत्र में जाना अधिक पसन्द करते हैं जिसमें सामाजिक मान-सम्मान पद-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होती रहे।

भाग्यांक 1 वाले व्यक्ति जिससे मित्रता करते हैं उसे पूर्णतः वफादारी से निभाते हैं, और यदि किसी के शत्रु बन जाते हैं तो अपने शत्रुताको लम्बे समय तक माफ़ नहीं करने के प्रयत्न से पीछे जल्द नहीं हटते। क्योकि सूर्य के प्रभाव से व्यक्ति निरंतर अपने शत्रुओं पर हावि होने का प्रयत्न करते रहते हैं। जिसमे अधिकतर मामलों में व्यक्ति शत्रु को परेशान करके या पराजित करके ही दम लेता हैं। भाग्यांक 1 वाले व्यक्ति को गुप्त शत्रुओं का हमेशां खतरा रहता हैं। क्योकि, व्यक्ति के अधिकतर शत्रु उससे सीधे भिड़ने से कतराते हैं, इसलिए पीछेसे षडयंत्र करते रहते हैं, कई बार जरूरत से अधिक आत्मविश्वास हानीकारक होता हैं इस लिए व्यक्ति को शत्रु पक्ष से हमेशा सावधान रहना चाहिए, शत्रु के विषय में व्यक्ति को किसी भी प्रकार की गलतफ़हमी, अफवाह या उसे कमजोर समझ ने की भूल नहीं करनी चाहिए।

भाग्यांक 1 वाले कुछ व्यक्तियों में कुछ मात्रा में अहंकार भी पाया जाता हैं। व्यक्ति के कर्मक्षेत्र के अनुशार उसकी प्रशंसा करने वाले अधिक होते हैं जिस कारण व्यक्ति को कभी किसी चिज और पैसों की कमी महसूस नहीं होती। आवश्यक्ता पड़ने पर व्यक्ति को विभिन्न स्त्रोत से पैसे की मदद भी मिल जाती है।

व्यक्ति को दिन के समय में अधिक सक्रियता का अनुभव होता है, भाग्यांक 1 वाले व्यक्ति सूर्य के प्रभाव से स्थिर विचारधारा वाले अपने निर्णय पर दृढ़ रहने वाले होते हैं। इस लिए व्यक्ति जीवन में जब भी किसी को अपना वचन देते हैं, तो व्यक्ति उस वचन को निभाने का पूर्ण प्रयत्न करता हैं। व्यक्ति थोडे ज़िद्दी स्वभाव के होते हैं जिस कारण व्यक्ति किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में लापरचाही बरते हैं और अपने जीवन के किसी मोड़ पर उसका नुक्शान भुगतते हैं। व्यक्ति अपनी ज़िद्द के कारण कभी कभी अनुचित कर्मों में सलग्न हो जाते हैं और पारिवारीक लोगों एवं प्रियजनो से अपमानित होते हैं। क्योकि एसे व्यक्ति के दिमाग में एक बार जो बात बैठ जाती हैं वह अधिक समय तक निकलती नहीं। फिर चाहें वह बात सही हो या गलत व्यक्ति उसी बात पर अडे रहते हैं।

व्यक्ति अपने जीवन का अधिकतर समय प्रत्येक क्षेत्र में परिवर्तन करने में खर्च कर देते हैं परिवर्तन इनका स्वाभाव होता हैं, पूरानी जीवन शैली पर चलने के अभ्यस्त नहीं होते हैं। सुंदर, मनोनुकूल जीवन में ये विश्वास रखते हैं। व्यक्ति जीवन को जीना अच्छी तरह जानते हैं।

भाग्यांक 1 में जन्में व्यक्ति अनुशासन, स्वतंत्र एवं स्वस्थ चिंतन करने वाले होते हैं। इनका व्यक्तित्व स्वतः ही दूसरों से अलग दिखाई देगा, इस लिए व्यक्ति को किसी के दबाव में या किसी के दबाव में अंदर रहकर कार्य करना पसंद नहीं होता व्यक्ति स्वतंत्रता प्रिय होते हैं इस लिए व्यक्ति को अपने उच्चा धिकारी या किसी और का हस्तक्षेप पसंद नहीं होता हैं।

व्यक्ति अत्याधिक सहनशील, सहिष्णु एवं गंभीर होते हैं। व्यक्ति के जीवन में निरंतर उत्थान-पतन होत रहते हैं तथा संघर्ष इनके जीवन का मुख्य अंश होता हैं। व्यक्ति का आर्थिक पक्ष मजबुत होता हैं। व्यक्ति निरंतर धन अर्जित करने वाला होता हैं।

प्रेम संबंधित मामलों में व्यक्ति अधिक भावुक होते हैं, यदि किसी से एक बार प्रेम करले तो उसके लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं, प्रेम के मामलों में एसे व्यक्ति उचित अनुचित कार्य करने से भी पीछे नहीं हटते।

भाग्यांक 1 वाले व्यक्ति सुंदर, स्वरुपवान और अच्छे देहधारी होते हैं। इन लोगों की आखें तेजस्वी होती हैं जिसमें अद्भुत तेज होता है। भाग्यांक 1 वाले व्यक्ति थोडे खर्चीले होते हैं। भाग्यांक 1 वाले व्यक्ति का अध्यात्म की ओर विशेष रुझान रहता है।

शुभ दिन:

भाग्यांक 1 वाले व्यक्ति के लिए शुभ वर्ष 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73 वां वर्ष हैं, हर महिने की 1, 10, 19, 28 तिथियां शुभ दायक होती हैं, व्यक्ति के लिए रविवार, सोमवार व गुरुवार का दिन शुभ होता है। यदि सम्बन्धित तारीखों में सम्बन्धित दिन का योग हो तो वह दिन उसके लिए अमृत सिद्ध योग बन जाता है। व्यक्ति के लिए जनवरी, अप्रैल, जुलाई एवं अक्टूबर, माह शुभ होता है। मार्च, जून, सितम्बर के महीने में सावधान रहें।

स्वास्थ्य:

भाग्यांक 1 वाले व्यक्ति को तीव्र ज्वर, हृदय रोग, आँख का दुखना, चर्म रोग, चोट, कोढ़, मस्तिश्क संबंधि परेषानि, अपच, गठिआ, स्नायुविकार, आंतों के रोग तथा घुटने आदि की षिकायते होती हैं। जिन

व्यक्तियों का भाग्यांक-1 हैं वे किसी ना किसी रूप में हृदय से संबंधि रोगों से पीड़ित होते हैं। दिल की धड़कने और रक्त प्रवाह अनियमित हो जाता हैं। आँख का दुखना एवं दृश्टि दोश जैसे रोग होते हैं। उचित हैं आप समय-समय पर आँखों का परिक्षण करवाते रहें।

उपयुक्त आहारः

किशमिश, सौंफ, केसर, लौंग, जायफल, संतरे, नींबू, मोसंबी, खजूर, अदरक, जौ, पालक, गाजर आदि उपयोगी हैं। हृदय रोग के नमक कम खना चाहिये।

अनुकूल व्यवसाय:

कार्यक्षेत्र में व्यक्ति मेहनती, उद्यमी और स्थिर विचार धारा वाले दृढ़ निश्चयी होते हैं। भाग्यांक 1 वाले व्यक्ति यदि नौकरी करते हैं तो वह शीध्र उच्च पद पर आसीन होने का प्रयास करते हैं तथा यदि वह व्यापारी हैं तो दिन-रात परिश्रम कर अपने व्यापारी वर्ग में प्रमुख स्थान बनाने में समर्थ होते हैं। व्यक्ति चाहे व्यापार के क्षेत्र में हो या नौकरी के उसके नेतृत्व करने में कोई कमी नहीं आएगी। व्यक्ति बिजली, चिकित्सा, राजदूत, विज्ञान, आभूषण, नेतृत्व, समृद्री व्यवसाय, प्रधान पद, हुकुमत, श्रमशील कार्य, सैन्य विभाग, सरकारी कार्यो की ठेकेदारी, प्रशासनिक सेवा, खोज कार्य, जहाजों से संबंध रखने वाले कल-पुर्जे तथा जवाहरात आदि व्यवसाय में अधिक सफल होते हैं।

शुभ दिशा:

भाग्यांक 1 के व्यक्ति के लिए ईशान, वायव्य एवं दक्षिण दिशा शुभ होती है व्यक्ति के लिए माणिक्य, मूँगा, मोती एवं पोखराज रत्न अनुकूल फलादायी होंगे।

पीला हीरा भी धारण करना अनुकूल होगा। व्यक्ति के लिए श्वेत, गुलाबी, ताम्रवर्ण एवं पीला रंग अनुकूल हैं।

भाग्यांक 1 के व्यक्ति के लिए कष्ट निवारक उपाय

- ❖ आपका **भाग्यांक** के स्वामी ग्रह सूर्य के शुभ प्रभावो की वृद्धि हेतु आप अपनी अनामिका उंगली में माणिक धारण कर सकते हैं। अपने पूजा स्थान में प्राण-प्रतिष्ठित मंगल गणेश, सूर्य यंत्र को स्थापित कर सकते हैं।
- ❖ यदि आर्थिक समस्या हो तो प्राण-प्रतिष्ठित श्रीयंत्र का नियमित पूजन करना लाभप्रद रहेगा।

ग्रह शांति के लिए व्रत उपवास:

रविवार का व्रत: सूर्य ग्रह को प्रसन्न करने हेतु रविवार का व्रत किया जाता हैं। सूर्य का व्रत करने से हडीया मजबूत होती हैं, पेट संबंधी सभी रोगो का विनाश होता हैं, आंखो कि रोशनी बढती हैं, व्यक्ति का साहर एवं क्षमता में वृद्धि होकर उसका यश चारों और बढता हैं। रविवार का व्रत करने से सूर्य के प्रभाव में आने वाले सभी व्यवसाय एवं वस्तुओ से लाभ प्राप्त होता हैं।

ग्रह शांति के लिए उपयुक्त रुद्राक्ष:

आपका **भाग्यांक** स्वामी सूर्य हैं अतः सूर्य ग्रह के अशुभ प्रभाव को दूर करने और शुभफलों की प्राप्ति के लिए 1 मुखी या 12 मुखी रुद्राक्ष धारण करना आपके लिए उपयुक्त रहेगा। आप 1 मुखी या 12 मुखी रुद्राक्ष के साथ में 5 मुखी और 3 मुखी रुद्राक्ष भी धारण करने से आपको विशेष शुभ परिणामो की प्राप्ति होगी।

शांति के लिए दान

ग्रह:- सूर्य

वार:- रविवार

सूर्य ग्रह कि शांति हेतु गेहूँ, ताँबा, घी, गुड़, माणिक्य, लाल कपड़ा, मसूरकी दाल, कनेर या कमल के फूल, गौ दान करने से शुभ फल कि प्राप्ति होती हैं।

माणिक्य और आध्यात्म:

- माणिक्य पहन कर सूर्य उपासना करने से सूर्य पूजा का फल में वृद्धि हो जाती है।
- रंग चिकित्सा का मूल आधार हैं की रंगों की रश्मियां घनीभूत होती हैं।

हृदय और रत्न: सूर्य व्यय का प्रतिनिधि है। रत्नों में वह माणिक्य का प्रतिनिधि है। इसलिए व्यक्ति को सूर्य

को बल देने के लिए माणिक्य धारण करना चाहिए। माणिक्य हृदय के सभी प्रकार के कष्टों अथवा रोगों को दूर करता हैं। माणिक्य की पिष्टी और भस्म दोनों औषधि के रूप में उपयोग में आते हैं।

सूर्य के मंत्र जाप के लिये यथा संभव सूर्य के लिए माणिक्य की माला, गारनेट, माला रुद्राक्ष, बिल्व की लकड़ी से बनी की माला का प्रयोग करना लाभप्रद होता हैं।

सूर्य के लिए जैन मन्त्र

ॐ णमो सिद्धाणं । (10 हजार)

सूर्य ग्रह की प्रसन्नता के लिए विभिन्न मंत्र

सूर्य तन्त्रोक्तबीज मंत्र

ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।

सूर्य वैदिक मंत्र

ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः ॐ भूर्भुवः स्वः ॐ आकृष्णेन रजसा वर्तमानो निवेशयन्तमृतं मृतर्यंच।
हिरण्येन सविता रथेना देवो याति भुवनानी पश्यन् ॥
ॐ सः स्वः भुवः भूः ॐ सः ह्रौं ह्रीं ह्रां ॐ सूर्याय नमः॥

सूर्य ग्रह का मंत्र

पद्मासनः पद्मकरो द्विबाहुः पद्मद्युतिः सप्ततुरंगवाहनः।
दिवाकरो लोकगुरुः किरीटी मयि प्रसादं विदधातु देवः॥

वेदव्यास कृत सूर्य स्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम्।
तमोरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्॥

सूर्य पीड़ाहर स्तोत्र

ॐ ग्रहाणामादिरादित्यो लोकरक्षणकारकः।
विषमस्थानसम्भूतां पीडां हरतु मे रविः॥

सूर्य गायत्री

ॐ अदित्याय विद्महे भास्कराए धीमहि ।
तन्नो भानु: प्रचोदयात ॥1॥

ॐ आदित्याय च विद्महे प्रभाकराय धीमहि ।
तन्नो सूर्य: प्रचोदयात ॥2॥

ॐ आदित्याय विद्महे दिवाकराय धीमही ।
तन्नों सूर्यः प्रचोदयात् ॥3॥

ॐ भास्कराय विद्महे महातेजाय धीमहि ।
तन्नो सूर्य: प्रचोदयात ॥4॥

ॐ अश्वध्वजाय विद्महे पासहस्थाया धीमहि ।
तन्नो सूर्य: प्रचोदयात ॥5॥

ग्रह शांति के अन्य सरल उपाय:

- स्वास्थ्य संबंधित समस्या दूर करने हेतु शुक्रवार के दिन बहते पानी में सात बादाम और एक नारियल प्रवाहित करें।
- कार्य सिद्धि हेतु सात शुक्रवार कुएं में फिटकरी का टुकड़ा डालें।
- शिक्षा से संबंधित समस्या दूर करने के लिए कुत्ते को रोटी खिलाएं।
- भाग्योदय हेतु लाल रंग का रुमाल अपने पास रखें।
- सौभाग्य वृद्धि हेतु गणेश जी को सुखा मेवा चढाएं।
- अपने मान-सम्मान एवं प्रतिष्ठा बढाने हेतु नियमित सूर्य को अध्य दें और लाल चंदन का टीका लगाएं।

***

>> क्रमश: अगले अंक में ...

25 दिसम्बर 2018 पौष कृष्ण संकष्टचतुर्थी व्रत

संकलन गुरुत्व कार्यालय

पौराणिक ग्रंथ भविष्योत्तर के अनुशार पौष कृष्ण चतुर्थी को गणपति स्मरणपूर्वक प्रातःस्त्रानादि नित्यकर्म करनेके पश्चात् संकल्प करके दिनभर मौन रहे। रात्रिमें पुनः स्त्रान करके गणपति - पूजनके पश्चात् चन्द्रोदयके बाद चन्द्रमाका पूजन करके अर्घ्य दे, फिर भोजन करने का विधान बताया गया हैं।

संकष्टी चतुर्थी व्रत

इस दिन श्री विघ्नेश्वर गणेश जी की पूजा-अर्चना और व्रत करने से व्यक्ति के समस्त संकट दूर होते हैं, इस लिये इसे संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है। इस बार मंगलवार के दिन चतुर्थी होने से उसे अंगारकी चतुर्थी के नाम से जाना जाता हैं। गणेश पुराणमें उल्लेख हैं की भूमिपुत्र मंगल के कठोर तप से प्रसन्न होकर गणेश जी ने उन्हें इच्छित वरदान देकर मंगलवार की चतुर्थी को सर्व संकट नाशक होने की शक्ति प्रदान की।

अंगारकी संकष्टी चतुर्थी के दिन व्रत एवं उपवास रखकर गणेश जी की विधि-विधान से विशेष पूजा करने से अधिक लाभ प्राप्त होता हैं। चतुर्थी के दिन एक समय रात्री को चंद्र उदय होने के पश्च्यात चंद्र दर्शन करके भोजन करे तो अति उत्तम रेहता हैं।

रात में चंद्रमा के उदय हो जाने पर चंद्र देख कर गणपति जी का ध्यान करते हुए निम्न श्लोक पढकर अर्घ्यदें-

गणेशाय नमस्तुभ्यं सर्वसिद्धिप्रदायक।
संकष्ट हरमेदेव गृहाणाघ्र्यनमोऽस्तुते॥१॥
कृष्णपक्षेचतुथ्र्यातुसम्पूजितविधूदये।
क्षिप्रंप्रसीददेवेश गृहाणाघ्र्यनमोऽस्तुते॥२॥

भावार्थ: सब सिद्धियों के प्रदाता श्रीगणेश जी ! आपको मेरा नमस्कार है। संकटों का हरण करने वाले देव! आप मेरे द्वारा अर्घ्यग्रहण कीजिए, आपको मेरा नमस्कार है। कृष्णपक्ष की चतुर्थी को चन्द्रोदय होने पर पूजित देवेश! आप मेरे द्वारा अर्घ्यग्रहण कीजिए, आपको मेरे नमस्कार है।

पश्च्यात इस श्लोक से चतुर्थी तिथि की अधिष्ठात्री देवी को अर्घ्य प्रदान करें-

तिथीनामुत्तमेदेवि गणेशप्रियवल्लभे।
सर्वसंकटनाशायगृहाणाघ्र्यनमोऽस्तुते॥

तिथियों में गणेश जी को सर्वाधिक प्रिय देवि! आपको मेरा नमस्कार है। आप मेरे समस्त संकटों को नष्ट करने के लिए अर्घ्यस्विकार करें।

शास्तोक्त वचन हैं जो व्यक्ति अंगारकीचतुर्थी के व्रत को विधिवत करता हैं। उसे साल भर की चतुर्थीयोंका फल प्राप्त हो जाता है। व्यक्ति को अपने कार्य मे किसी प्रकार के बाधा-विघ्न नहीं आते। एवं उसके घरे में गणेश जी के साथ मे रिद्धि-सिद्धि का वास होता हैं। यदि आप समर्थ हैं तो प्राण प्रतिष्ठित गणेश जी की प्रतिमा(मूर्ति) स्थापित कर के विधि-विधान से पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता हैं।

मंत्र सिद्ध गणेश प्रतिमा या चतुर्थी व्रत के संबंध मे अधिक जानकारी हेतु गुरुत्व कार्यालय में संपर्क करें।

कालसर्प योग एक कष्टदायक योग !

काल का मतलब है मृत्यु । ज्योतिष के जानकारों के अनुसार जिस व्यक्ति का जन्म अशुभकारी कालसर्प योग मे हुवा हो वह व्यक्ति जीवन भर मृत्यु के समान कष्ट भोगने वाला होता है, व्यक्ति जीवन भर कोइ ना कोइ समस्या से ग्रस्त होकर अशांत चित होता है। कालसर्प योग अशुभ एवं पीड़ादायक होने पर व्यक्ति के जीवन को अत्यंत दु:खदायी बना देता है।

कालसर्प योग मतलब क्या?

जब जन्म कुंडली में सारे ग्रह राहु और केतु के बीच स्थित रहते हैं तो उससे ज्योतिष विद्या के जानकार उसे कालसर्प योग कहा जाता है।

कालसर्प योग किस प्रकार बनता है और क्यों बनता हैं?

जब 7 ग्रह राहु और केतु के मध्य मे स्थित हो यह अच्छि स्थिति नहि है। राहु और केतु के मध्य मे बाकी सब ग्रह आजाने से राहु केतु अन्य शुभ ग्रहों के प्रभावों को क्षीण कर देते हों!, तो अशुभ कालसर्प योग बनता है, क्योकि ज्योतिष मे राहु को सर्प(साप) का मुह(मुख) एवं केतु को पूंछ कहा जाता है।

कालसर्प योग का प्रभाव क्य होता है?

जिस प्रकार किसी व्यक्ति को साप काट ले तो वह व्यक्ति शांति से नही बेठ सकता वेसे ही कालसर्प योग से पीड़ित व्यक्ति को जीवन पर्यन्त शारीरिक, मानसिक, आर्थिक परेशानी का सामना करना पडता है। विवाह विलम्ब से होता है एवं विवाह के पश्च्यात संतान से संबंधी कष्ट जेसे उसे संतान होती ही नहीं या होती है तो रोग ग्रस्त होती है। उसे जीवन में किसी न किसी महत्वपूर्ण वस्तु का अभाव रहता है। जातक को कालसर्प योग के कारण सभी कार्यो में अत्याधिक संघर्ष करना पड़ताअ है। उसकी रोजी-रोटी का जुगाड़ भी बड़ी मुश्किल से हो पाता है। अगर जुगाड़ होजाये तो लम्बे समय तक टिकती नही है। बार-बार व्यवसाय या नौकरी मे बदलाव आते रेहते है। धनाढय घर में पैदा होने के बावजूद किसी न किसी वजह से उसे अप्रत्याशित रूप से आर्थिक क्षति होती रहती है। तरह-तरह की परेशानी से घिरे रहते हैं। एक समस्या खतम होते ही दूसरी पाव पसारे खडी होजाती है। कालसर्प योग से व्यक्ति को चैन नही मिलता उसके कार्य बनते ही नही और बन जाये आधे मे रुक जाते है। व्यक्ति के 99% हो चुका कार्य भी आखरी पलो मे अकस्मात ही रुक जात है।

परंतु यह ध्यान रहे, कालसर्प योग वाले सभी जातकों पर इस योग का समान प्रभाव नही पड़ता। क्योकि किस भाव में कौन सी राशि अवस्थित है और उसमें कौन-कौन ग्रह कहां स्थित हैं और दृष्टि कर रहे है उस्का प्रभाव बलाबल कितना है - इन सब बातों का भी संबंधित जातक पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

इसलिए मात्रा कालसर्प योग सुनकर भयभीत हो जाने की जरूरत नहीं बल्कि उसका जानकार या कुशल ज्योतिषी से ज्योतिषीय विश्लेषण करवाकर उसके प्रभावों की विस्तृत जानकारी हासिल कर लेना ही बुद्धिमत्ता है। जब असली कारण ज्योतिषीय विश्लेषण से स्पष्ट हो जाये तो तत्काल उसका उपाय करना चाहिए। उपाय से कालसर्प योग के कुप्रभावो को कम किया जा सकता है।
यदि आपकी जन्म कुंडली मे भी अशुभ कालसर्प योग का बन रहा हो और आप उसके अशुभ प्रभावों से परेशान हो, तो कालसर्प योग के अशुभ प्राभावों को शांत करने के लिये विशेष अनुभूत उपायों को अपना कर अपने जीवन को सुखी एवं समृद्ध बनाए।

***

सर्व कार्य सिद्धि कवच

जिस व्यक्ति को लाख प्रयत्न और परिश्रम करने के बादभी उसे मनोवांछित सफलताये एवं किये गये कार्य में सिद्धि (लाभ) प्राप्त नहीं होती, उस व्यक्ति को सर्व कार्य सिद्धि कवच अवश्य धारण करना चाहिये।

कवच के प्रमुख लाभ: सर्व कार्य सिद्धि कवच के द्वारा सुख समृद्धि और **नव ग्रहों** के नकारात्मक प्रभाव को शांत कर धारण करता व्यक्ति के जीवन से सर्व प्रकार के दु:ख-दारिद्र का नाश हो कर सुख-सौभाग्य एवं उन्नति प्राप्ति होकर जीवन मे सभि प्रकार के शुभ कार्य सिद्ध होते हैं। जिसे धारण करने से व्यक्ति यदि व्यवसाय करता होतो कारोबार मे वृद्धि होति हैं और यदि नौकरी करता होतो उसमे उन्नति होती हैं।

- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **सर्वजन वशीकरण** कवच के मिले होने की वजह से धारण कर्ता की बात का दूसरे व्यक्तिओ पर प्रभाव बना रहता हैं।
- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **अष्ट लक्ष्मी** कवच के मिले होने की वजह से व्यक्ति पर सदा मां महा लक्ष्मी की कृपा एवं आशीर्वाद बना रहता हैं। जिस्से मां लक्ष्मी के अष्ट रुप (१)-आदि लक्ष्मी, (२)-धान्य लक्ष्मी, (३)- धैर्य लक्ष्मी, (४)-गज लक्ष्मी, (५)-संतान लक्ष्मी, (६)-विजय लक्ष्मी, (७)-विद्या लक्ष्मी और (८)-धन लक्ष्मी इन सभी रुपो का अशीर्वाद प्राप्त होता हैं।
- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **तंत्र रक्षा** कवच के मिले होने की वजह से तांत्रिक बाधाए दूर होती हैं, साथ ही नकारात्मक शक्तियो का कोइ कुप्रभाव धारण कर्ता व्यक्ति पर नहीं होता। इस कवच के प्रभाव से इर्षा-द्वेष रखने वाले व्यक्तिओ द्वारा होने वाले दुष्ट प्रभावो से रक्षा होती हैं।
- सर्व कार्य सिद्धि कवच के साथ में **शत्रु विजय** कवच के मिले होने की वजह से शत्रु से संबंधित समस्त परेशानिओ से स्वतः ही छुटकारा मिल जाता हैं। कवच के प्रभाव से शत्रु धारण कर्ता व्यक्ति का चाहकर कुछ नही बिगाड़ सकते।

अन्य कवच के बारे मे अधिक जानकारी के लिये कार्यालय में संपर्क करे:

किसी व्यक्ति विशेष को सर्व कार्य सिद्धि कवच देने नही देना का अंतिम निर्णय हमारे पास सुरक्षित हैं।

GURUTVA KARYALAY
92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ODISHA)
Call Us - 9338213418, 9238328785
Our Website:- www.gurutvakaryalay.com and http://gurutvakaryalay.blogspot.com/
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

श्री गणेश यंत्र

गणेश यंत्र सर्व प्रकार की ऋद्धि-सिद्धि प्रदाता एवं सभी प्रकार की उपलब्धियों देने में समर्थ है, क्योकी श्री गणेश यंत्र के पूजन का फल भी भगवान गणपति के पूजन के समान माना जाता हैं। हर मनुष्य को को जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति एवं नियमित जीवन में प्राप्त होने वाले विभिन्न कष्ट, बाधा-विघ्नों को नास के लिए श्री गणेश यंत्र को अपने पूजा स्थान में अवश्य स्थापित करना चाहिए। श्रीगणपत्यथर्वशीर्ष में वर्णित हैं ॐकार का ही व्यक्त स्वरूप श्री गणेश हैं। इसी लिए सभी प्रकार के शुभ मांगलिक कार्यों और देवता-प्रतिष्ठापनाओं में भगवान गणपति का प्रथम पूजन किया जाता हैं। जिस प्रकार से प्रत्येक मंत्र कि शक्ति को बढाने के लिये मंत्र के आगें ॐ (ओम्) आवश्य लगा होता हैं। उसी प्रकार प्रत्येक शुभ मांगलिक कार्यों के लिये भगवान् गणपति की पूजा एवं स्मरण अनिवार्य माना गया हैं। इस पौराणिक मत को सभी शास्त्र एवं वैदिक धर्म, सम्प्रदायों ने गणेश जी के पूजन हेतु इस प्राचीन परम्परा को एक मत से स्वीकार किया हैं।

- श्री गणेश यंत्र के पूजन से व्यक्ति को बुद्धि, विद्या, विवेक का विकास होता हैं और रोग, व्याधि एवं समस्त विध्न-बाधाओं का स्वतः नाश होता है। श्री गणेशजी की कृपा प्राप्त होने से व्यक्ति के मुश्किल से मुश्किल कार्य भी आसान हो जाते हैं।
- जिन लोगो को व्यवसाय-नौकरी में विपरीत परिणाम प्राप्त हो रहे हों, पारिवारिक तनाव, आर्थिक तंगी, रोगों से पीड़ा हो रही हो एवं व्यक्ति को अथक मेहनत करने के उपरांत भी नाकामयाबी, दु:ख, निराशा प्राप्त हो रही हो, तो एसे व्यक्तियो की समस्या के निवारण हेतु चतुर्थी के दिन या बुधवार के दिन श्री गणेशजी की विशेष पूजा-अर्चना करने का विधान शास्त्रों में बताया हैं।
- जिसके फल से व्यक्ति की किस्मत बदल जाती हैं और उसे जीवन में सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती हैं। जिस प्रकार श्री गणेश जी का पूजन अलग-अलग उद्देश्य एवं कामनापूर्ति हेतु किया जाता हैं, उसी प्रकार श्री गणेश यंत्र का पूजन भी अलग-अलग उद्देश्य एवं कामनापूर्ति हेतु अलग-अलग किया जाता सकता हैं।
- श्री गणेश यंत्र के नियमित पूजन से मनुष्य को जीवन में सभी प्रकार की ऋद्धि-सिद्धि व धन-सम्पत्ति की प्राप्ति हेतु श्री गणेश यंत्र अत्यंत लाभदायक हैं। श्री गणेश यंत्र के पूजन से व्यक्ति की सामाजिक पद-प्रतिष्ठा और कीर्ति चारों और फैलने लगती हैं।
- विद्वानों का अनुभव हैं की किसी भी शुभ कार्य को प्रारंप करने से पूर्व या शुभकार्य हेतु घर से बाहर जाने से पूर्व गणपति यंत्र का पूजन एवं दर्शन करना शुभ फलदायक रहता हैं। जीवन से समस्त विघ्न दूर होकर धन, आध्यात्मिक चेतना के विकास एवं आत्मबल की प्राप्ति के लिए मनुष्य को गणेश यंत्र का पूजन करना चाहिए।
- गणपति यंत्र को किसी भी माह की गणेश चतुर्थी या बुधवार को प्रात: काल अपने घर, ओफिस, व्यवसायीक स्थल पर पूजा स्थल पर स्थापित करना शुभ रहता हैं।

गुरुत्व कार्यालय में उपलब्ध अन्य : लक्ष्मी गणेश यंत्र | गणेश यंत्र | गणेश यंत्र (संपूर्ण बीज मंत्र सहित) | गणेश सिद्ध यंत्र | एकाक्षर गणपति यंत्र | हरिद्रा गणेश यंत्र भी उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी आप हमारी वेब साइट पर प्राप्त कर सकते हैं।

दस महाविद्या पूजन यंत्र

दस महाविद्या पूजन यंत्र को देवी दस महाविद्या की शक्तियों से युक्त अत्यंत प्रभावशाली और दुर्लभ यंत्र माना गया हैं।

इस यंत्र के माध्यम से साधक के परिवार पर दसो महाविद्याओं का आशिर्वाद प्राप्त होता हैं। दस महाविद्या यंत्र के नियमित पूजन-दर्शन से मनुष्य की सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती हैं। दस महाविद्या यंत्र साधक की समस्त इच्छाओं को पूर्ण करने में समर्थ हैं। दस महाविद्या यंत्र मनुष्य को शक्तिसंपन्न एवं भूमिवान बनाने में समर्थ हैं।

दस महाविद्या यंत्र के श्रद्धापूर्वक पूजन से शीघ्र देवी कृपा प्राप्त होती हैं और साधक को दस महाविद्या देवीयों की कृपा से संसार की समस्त सिद्धियों की प्राप्ति संभव हैं। देवी दस महाविद्या की कृपा से साधक को धर्म, अर्थ, काम व् मोक्ष चतुर्विध पुरुषार्थों की प्राप्ति हो सकती हैं। दस महाविद्या यंत्र में माँ दुर्गा के दस अवतारों का आशीर्वाद समाहित हैं, इसलिए दस महाविद्या यंत्र को के पूजन एवं दर्शन मात्र से व्यक्ति अपने जीवन को निरंतर अधिक से अधिक सार्थक एवं सफल बनाने में समर्थ हो सकता हैं।

देवी के आशिर्वाद से व्यक्ति को ज्ञान, सुख, धन-संपदा, ऐश्वर्य, रूप-सौंदर्य की प्राप्ति संभव हैं। व्यक्ति को वाद-विवाद में शत्रुओं पर विजय की प्राप्ति होती हैं।

दश महाविद्या को शास्त्रों में आद्या भगवती के दस भेद कहे गये हैं, जो क्रमशः (1) काली, (2) तारा, (3) षोडशी, (4) भुवनेश्वरी, (5) भैरवी, (6) छिन्नमस्ता, (7) धूमावती, (8) बगला, (9) मातंगी एवं (10) कमात्मिका। इस सभी देवी स्वरुपों को, सम्मिलित रुप में दश महाविद्या के नाम से जाना जाता हैं।

मंत्र सिद्ध पारद प्रतिमा

पारद श्री यंत्र	पारद लक्ष्मी गणेश	पारद लक्ष्मी नारायण	पारद लक्ष्मी नारायण
21 Gram से 5.250 Kg तक उपलब्ध	100 Gram	121 Gram	100 Gram
पारद शिवलिंग	पारद शिवलिंग+नंदि	पारद शिवजी	पारद काली
21 Gram से 5.250 Kg तक उपलब्ध	101 Gram से 5.250 Kg तक उपलब्ध	75 Gram	37 Gram
पारद दुर्गा	पारद दुर्गा	पारद सरस्वती	पारद सरस्वती
82 Gram	100 Gram	50 Gram	225 Gram
पारद हनुमान 2	पारद हनुमान 3	पारद हनुमान 1	पारद कुबेर
100 Gram	125 Gram	100 Gram	100 Gram

हमारें यहां सभी प्रकार की मंत्र सिद्ध पारद प्रतिमाएं, शिवलिंग, पिरामिड, माला एवं गुटिका शुद्ध पारद में उपलब्ध हैं।

बिना मंत्र सिद्ध की हुई पारद प्रतिमाएं थोक व्यापारी मूल्य पर उपलब्ध हैं।

ज्योतिष, रत्न व्यवसाय, पूजा-पाठ इत्यादि क्षेत्र से जुडे बंधु/बहन के लिये हमारें विशेष यंत्र, कवच, रत्न, रुद्राक्ष व अन्य दुलभ सामग्रीयों पर विशेष सुबिधाएं उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें।

GURUTVA KARYALAY

Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785

Visit Us: www.gurutvakaryalay.com

हमारे विशेष यंत्र

व्यापार वृद्धि यंत्र: हमारे अनुभवों के अनुसार यह यंत्र व्यापार वृद्धि एवं परिवार में सुख समृद्धि हेतु विशेष प्रभावशाली हैं।

भूमिलाभ यंत्र: भूमि, भवन, खेती से संबंधित व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए भूमिलाभ यंत्र विशेष लाभकारी सिद्ध हुवा हैं।

तंत्र रक्षा यंत्र: किसी शत्रु द्वारा किये गये मंत्र-तंत्र आदि के प्रभाव को दूर करने एवं भूत, प्रेत नज़र आदि बुरी शक्तियों से रक्षा हेतु विशेष प्रभावशाली हैं।

आकस्मिक धन प्राप्ति यंत्र: अपने नाम के अनुसार ही मनुष्य को आकस्मिक धन प्राप्ति हेतु फलप्रद हैं इस यंत्र के पूजन से साधक को अप्रत्याशित धन लाभ प्राप्त होता हैं। चाहे वह धन लाभ व्यवसाय से हो, नौकरी से हो, धन-संपत्ति इत्यादि किसी भी माध्यम से यह लाभ प्राप्त हो सकता हैं। हमारे वर्षों के अनुसंधान एवं अनुभवों से हमने आकस्मिक धन प्राप्ति यंत्र से शेयर ट्रेडिंग, सोने-चांदी के व्यापार इत्यादि संबंधित क्षेत्र से जुडे लोगो को विशेष रुप से आकस्मिक धन लाभ प्राप्त होते देखा हैं। आकस्मिक धन प्राप्ति यंत्र से विभिन्न स्रोत से धनलाभ भी मिल सकता हैं।

पदौन्नति यंत्र: पदौन्नति यंत्र नौकरी पैसा लोगो के लिए लाभप्रद हैं। जिन लोगों को अत्याधिक परिश्रम एवं श्रेष्ठ कार्य करने पर भी नौकरी में उन्नति अर्थात प्रमोशन नहीं मिल रहा हो उनके लिए यह विशेष लाभप्रद हो सकता हैं।

रत्नेश्वरी यंत्र: रत्नेश्वरी यंत्र हीरे-जवाहरात, रत्न पत्थर, सोना-चांदी, ज्वैलरी से संबंधित व्यवसाय से जुडे लोगों के लिए अधिक प्रभावी हैं। शेर बाजार में सोने-चांदी जैसी बहुमूल्य धातुओं में निवेश करने वाले लोगों के लिए भी विशेष लाभदाय हैं।

भूमि प्राप्ति यंत्र: जो लोग खेती, व्यवसाय या निवास स्थान हेतु उत्तम भूमि आदि प्राप्त करना चाहते हैं, लेकिन उस कार्य में कोई ना कोई अड़चन या बाधा-विघ्न आते रहते हो जिस कारण कार्य पूर्ण नहीं हो रहा हो, तो उनके लिए भूमि प्राप्ति यंत्र उत्तम फलप्रद हो सकता हैं।

गृह प्राप्ति यंत्र: जो लोग स्वयं का घर, दुकान, ओफिस, फैक्टरी आदि के लिए भवन प्राप्त करना चाहते हैं। यथार्थ प्रयासो के उपरांत भी उनकी अभिलाषा पूर्ण नहीं हो पारही हो उनके लिए गृह प्राप्ति यंत्र विशेष उपयोगी सिद्ध हो सकता हैं।

कैलास धन रक्षा यंत्र: कैलास धन रक्षा यंत्र धन वृद्धि एवं सुख समृद्धि हेतु विशेष फलदाय हैं।

आर्थिक लाभ एवं सुख समृद्धि हेतु 19 दुर्लभ लक्ष्मी यंत्र >> Shop Online | Order Now

विभिन्न लक्ष्मी यंत्र

श्री यंत्र (लक्ष्मी यंत्र)	महालक्ष्मयै बीज यंत्र	कनक धारा यंत्र
श्री यंत्र (मंत्र रहित)	महालक्ष्मी बीसा यंत्र	वैभव लक्ष्मी यंत्र (महान सिद्धि दायक श्री महालक्ष्मी यंत्र)
श्री यंत्र (संपूर्ण मंत्र सहित)	लक्ष्मी दायक सिद्ध बीसा यंत्र	श्री श्री यंत्र (ललिता महात्रिपुर सुन्दर्यै श्री महालक्ष्मयैं श्री महायंत्र)
श्री यंत्र (बीसा यंत्र)	लक्ष्मी दाता बीसा यंत्र	अंकात्मक बीसा यंत्र
श्री यंत्र श्री सूक्त यंत्र	लक्ष्मी बीसा यंत्र	ज्येष्ठा लक्ष्मी मंत्र पूजन यंत्र
श्री यंत्र (कुर्म पृष्ठीय)	लक्ष्मी गणेश यंत्र	धनदा यंत्र > Shop Online | Order Now

नवरत्न जड़ित श्री यंत्र

शास्त्र वचन के अनुसार शुद्ध सुवर्ण या रजत में निर्मित श्री यंत्र के चारों और यदि नवरत्न जड़वा ने पर यह नवरत्न जड़ित श्री यंत्र कहलाता हैं। सभी रत्नो को उसके निश्चित स्थान पर जड़ कर लॉकेट के रूप में धारण करने से व्यक्ति को अनंत एश्वर्य एवं लक्ष्मी की प्राप्ति होती हैं। व्यक्ति को एसा आभास होता हैं जैसे मां लक्ष्मी उसके साथ हैं। नवग्रह को श्री यंत्र के साथ लगाने से ग्रहों की अशुभ दशा का धारणकरने वाले व्यक्ति पर प्रभाव नहीं होता हैं।

गले में होने के कारण यंत्र पवित्र रहता हैं एवं स्नान करते समय इस यंत्र पर स्पर्श कर जो जल बिंदु शरीर को लगते हैं, वह गंगा जल के समान पवित्र होता हैं। इस लिये इसे सबसे तेजस्वी एवं फलदायि कहजाता हैं। जैसे अमृत से उत्तम कोई औषधि नहीं, उसी प्रकार लक्ष्मी प्राप्ति के लिये श्री यंत्र से उत्तम कोई यंत्र संसार में नहीं हैं एसा शास्त्रोक्त वचन हैं। इस प्रकार के नवरत्न जड़ित श्री यंत्र गुरूत्व कार्यालय द्वारा शुभ मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठित करके बनावाए जाते हैं। Rs: 4600, 5500, 6400 से 10,900 से अधिक

>> Shop Online | Order Now

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें।

GURUTVA KARYALAY

92/3BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ODISHA)

Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785

Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in,

Visit Us: www.gurutvakaryalay.com | www.gurutvajyotish.com

मंत्र सिद्ध वाहन दुर्घटना नाशक मारुति यंत्र

पौराणिक ग्रंथो में उल्लेख हैं की महाभारत के युद्ध के समय अर्जुन के रथ के अग्रभाग पर मारुति ध्वज एवं मारुति यन्त्र लगा हुआ था। इसी यंत्र के प्रभाव के कारण संपूर्ण युद्ध के दौरान हज़ारों-लाखों प्रकार के आग्नेय अस्त्र-शस्त्रों का प्रहार होने के बाद भी अर्जुन का रथ जरा भी क्षतिग्रस्त नहीं हुआ। भगवान श्री कृष्ण मारुति यंत्र के इस अद्भुत रहस्य को जानते थे कि जिस रथ या वाहन की रक्षा स्वयं श्री मारुति नंदन करते हों, वह दुर्घटनाग्रस्त कैसे हो सकता हैं। वह रथ या वाहन तो वायुवेग से, निर्बाधित रुप से अपने लक्ष्य पर विजय पतका लहराता हुआ पहुंचेगा। इसी लिये श्री कृष्ण नें अर्जुन के रथ पर श्री मारुति यंत्र को अंकित करवाया था।

जिन लोगों के स्कूटर, कार, बस, ट्रक इत्यादि वाहन बार-बार दुर्घटना ग्रस्त हो रहे हो!, अनावश्यक वाहन को नुक्षान हो रहा हों! उन्हें हानी एवं दुर्घटना से रक्षा के उद्देश्य से अपने वाहन पर मंत्र सिद्ध श्री मारुति यंत्र अवश्य लगाना चाहिए। जो लोग ट्रान्स्पोर्टिंग (परिवहन) के व्यवसाय से जुडे हैं उनको श्रीमारुति यंत्र को अपने वाहन में अवश्य स्थापित करना चाहिए, क्योकि, इसी व्यवसाय से जुडे सैकडों लोगों का अनुभव रहा हैं की श्री मारुति यंत्र को स्थापित करने से उनके वाहन अधिक दिन तक अनावश्यक खर्चो से एवं दुर्घटनाओं से सुरक्षित रहे हैं। हमारा स्वयंका एवं अन्य विद्वानो का अनुभव रहा हैं, की जिन लोगों ने श्री मारुति यंत्र अपने वाहन पर लगाया हैं, उन लोगों के वाहन बडी से बडी दुर्घटनाओं से सुरक्षित रहते हैं। उनके वाहनो को कोई विशेष नुक्शान इत्यादि नहीं होता हैं और नाहीं अनावश्यक रुप से उसमें खराबी आति हैं।

वास्तु प्रयोग में मारुति यंत्र: यह मारुति नंदन श्री हनुमान जी का यंत्र है। यदि कोई जमीन बिक नहीं रही हो, या उस पर कोई वाद-विवाद हो, तो इच्छा के अनुरूप वहँ जमीन उचित मूल्य पर बिक जाये इस लिये इस मारुति यंत्र का प्रयोग किया जा सकता हैं। इस मारुति यंत्र के प्रयोग से जमीन शीघ्र बिक जाएगी या विवादमुक्त हो जाएगी। इस लिये यह यंत्र दोहरी शक्ति से युक्त है।

मारुति यंत्र के विषय में अधिक जानकारी के लिये गुरुत्व कार्यालय में संपर्क करें।

मूल्य Rs- 325 से 12700 तक

श्री हनुमान यंत्र शास्त्रों में उल्लेख हैं की श्री हनुमान जी को भगवान सूर्यदेव ने ब्रह्मा जी के आदेश पर हनुमान जी को अपने तेज का सौवाँ भाग प्रदान करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया था, कि मैं हनुमान को सभी शास्त्र का पूर्ण ज्ञान दूँगा। जिससे यह तीनोलोक में सर्व श्रेष्ठ वक्ता होंगे तथा शास्त्र विद्या में इन्हें महारत हासिल होगी और इनके समन बलशाली और कोई नहीं होगा। जानकारो ने मतानुसार हनुमान यंत्र की आराधना से पुरुषों की विभिन्न बीमारियों दूर होती हैं, इस यंत्र में अद्भुत शक्ति समाहित होने के कारण व्यक्ति की स्वप्न दोष, धातु रोग, रक्त दोष, वीर्य दोष, मूर्छा, नपुंसकता इत्यादि अनेक प्रकार के दोषो को दूर करने में अत्यन्त लाभकारी हैं। अर्थात यह यंत्र पौरुष को पुष्ट करता हैं। श्री हनुमान यंत्र व्यक्ति को संकट, वाद-विवाद, भूत-प्रेत, द्यूत क्रिया, विषभय, चोर भय, राज्य भय, मारण, सम्मोहन स्तंभन इत्यादि से संकटो से रक्षा करता हैं और सिद्धि प्रदान करने में सक्षम हैं।

श्री हनुमान यंत्र के विषय में अधिक जानकारी के लिये गुरुत्व कार्यालय में संपर्क करें।

मूल्य Rs- 910 से 12700 तक

GURUTVA KARYALAY
92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA,
BHUBNESWAR-751018, (ODISHA), Call us: 91 + 9338213418, 91+ 9238328785
Mail Us: gurutva.karyalay@gmail.com, gurutva_karyalay@yahoo.in, >> Shop Online | Order Now

विभिन्न देवताओं के यंत्र		
गणेश यंत्र	महामृत्युंजय यंत्र	राम रक्षा यंत्र राज
गणेश यंत्र (संपूर्ण बीज मंत्र सहित)	महामृत्युंजय कवच यंत्र	राम यंत्र
गणेश सिद्ध यंत्र	महामृत्युंजय पूजन यंत्र	द्वादशाक्षर विष्णु मंत्र पूजन यंत्र
एकाक्षर गणपति यंत्र	महामृत्युंजय युक्त शिव खप्पर माहा शिव यंत्र	विष्णु बीसा यंत्र
हरिद्रा गणेश यंत्र	शिव पंचाक्षरी यंत्र	गरुड पूजन यंत्र
कुबेर यंत्र	शिव यंत्र	चिंतामणी यंत्र राज
श्री द्वादशाक्षरी रुद्र पूजन यंत्र	अद्द्वितीय सर्वकाम्य सिद्धि शिव यंत्र	चिंतामणी यंत्र
दत्तात्रय यंत्र	नृसिंह पूजन यंत्र	स्वर्णाकर्षणा भैरव यंत्र
दत्त यंत्र	पंचदेव यंत्र	हनुमान पूजन यंत्र
आपदुद्धारण बटुक भैरव यंत्र	संतान गोपाल यंत्र	हनुमान यंत्र
बटुक यंत्र	श्री कृष्ण अष्टाक्षरी मंत्र पूजन यंत्र	संकट मोचन यंत्र
व्यंकटेश यंत्र	कृष्ण बीसा यंत्र	वीर साधन पूजन यंत्र
कार्तवीर्यार्जुन पूजन यंत्र	सर्व काम प्रद भैरव यंत्र	दक्षिणामूर्ति ध्यानम् यंत्र
मनोकामना पूर्ति एवं कष्ट निवारण हेतु विशेष यंत्र		
व्यापार वृद्धि कारक यंत्र	अमृत तत्व संजीवनी काया कल्प यंत्र	त्रय तापोंसे मुक्ति दाता बीसा यंत्र
व्यापार वृद्धि यंत्र	विजयराज पंचदशी यंत्र	मधुमेह निवारक यंत्र
व्यापार वर्धक यंत्र	विद्यायश विभूति राज सम्मान प्रद सिद्ध बीसा यंत्र	ज्वर निवारण यंत्र
व्यापारोन्नति कारी सिद्ध यंत्र	सम्मान दायक यंत्र	रोग कष्ट दरिद्रता नाशक यंत्र
भाग्य वर्धक यंत्र	सुख शांति दायक यंत्र	रोग निवारक यंत्र
स्वस्तिक यंत्र	बाला यंत्र	तनाव मुक्त बीसा यंत्र
सर्व कार्य बीसा यंत्र	बाला रक्षा यंत्र	विद्युत मानस यंत्र
कार्य सिद्धि यंत्र	गर्भ स्तम्भन यंत्र	गृह कलह नाशक यंत्र
सुख समृद्धि यंत्र	संतान प्राप्ति यंत्र	कलेश हरण बत्तिसा यंत्र
सर्व रिद्धि सिद्धि प्रद यंत्र	प्रसूता भय नाशक यंत्र	वशीकरण यंत्र
सर्व सुख दायक पैंसठिया यंत्र	प्रसव-कष्टनाशक पंचदशी यंत्र	मोहिनि वशीकरण यंत्र
ऋद्धि सिद्धि दाता यंत्र	शांति गोपाल यंत्र	कर्ण पिशाचनी वशीकरण यंत्र
सर्व सिद्धि यंत्र	त्रिशूल बीशा यंत्र	वार्ताली स्तम्भन यंत्र
साबर सिद्धि यंत्र	पंचदशी यंत्र (बीसा यंत्र युक्त चारों प्रकारके)	वास्तु यंत्र
शाबरी यंत्र	बेकारी निवारण यंत्र	श्री मत्स्य यंत्र
सिद्धाश्रम यंत्र	षोडशी यंत्र	वाहन दुर्घटना नाशक यंत्र
ज्योतिष तंत्र ज्ञान विज्ञान प्रद सिद्ध बीसा यंत्र	अडसठिया यंत्र	प्रेत-बाधा नाशक यंत्र
ब्रहमाण्ड साबर सिद्धि यंत्र	अस्सीया यंत्र	भूतादी व्याधिहरण यंत्र
कुण्डलिनी सिद्धि यंत्र	ऋद्धि कारक यंत्र	कष्ट निवारक सिद्धि बीसा यंत्र
क्रान्ति और श्रीवर्धक चौंतीसा यंत्र	मन वांछित कन्या प्राप्ति यंत्र	भय नाशक यंत्र
श्री क्षेम कल्याणी सिद्धि महा यंत्र	विवाहकर यंत्र	स्वप्न भय निवारक यंत्र

ज्ञान दाता महा यंत्र	लग्न विघ्न निवारक यंत्र	कुदृष्टि नाशक यंत्र
काया कल्प यंत्र	लग्न योग यंत्र	श्री शत्रु पराभव यंत्र
दीर्धायु अमृत तत्व संजीवनी यंत्र	दरिद्रता विनाशक यंत्र	शत्रु दमनार्णव पूजन यंत्र

मंत्र सिद्ध विशेष दैवी यंत्र सूचि

आद्य शक्ति दुर्गा बीसा यंत्र (अंबाजी बीसा यंत्र)	सरस्वती यंत्र
महान शक्ति दुर्गा यंत्र (अंबाजी यंत्र)	सप्तसती महायंत्र(संपूर्ण बीज मंत्र सहित)
नव दुर्गा यंत्र	काली यंत्र
नवार्ण यंत्र (चामुंडा यंत्र)	श्मशान काली पूजन यंत्र
नवार्ण बीसा यंत्र	दक्षिण काली पूजन यंत्र
चामुंडा बीसा यंत्र (नवग्रह युक्त)	संकट मोचिनी कालिका सिद्धि यंत्र
त्रिशूल बीसा यंत्र	खोडियार यंत्र
बगला मुखी यंत्र	खोडियार बीसा यंत्र
बगला मुखी पूजन यंत्र	अन्नपूर्णा पूजा यंत्र
राज राजेश्वरी वांछा कल्पलता यंत्र	एकांक्षी श्रीफल यंत्र

मंत्र सिद्ध विशेष लक्ष्मी यंत्र सूचि

श्री यंत्र (लक्ष्मी यंत्र)	महालक्ष्मयै बीज यंत्र
श्री यंत्र (मंत्र रहित)	महालक्ष्मी बीसा यंत्र
श्री यंत्र (संपूर्ण मंत्र सहित)	लक्ष्मी दायक सिद्ध बीसा यंत्र
श्री यंत्र (बीसा यंत्र)	लक्ष्मी दाता बीसा यंत्र
श्री यंत्र श्री सूक्त यंत्र	लक्ष्मी गणेश यंत्र
श्री यंत्र (कुर्म पृष्ठीय)	ज्येष्ठा लक्ष्मी मंत्र पूजन यंत्र
लक्ष्मी बीसा यंत्र	कनक धारा यंत्र
श्री श्री यंत्र (श्रीश्री ललिता महात्रिपुर सुन्दर्यै श्री महालक्ष्मयैं श्री महायंत्र)	वैभव लक्ष्मी यंत्र (महान सिद्धि दायक श्री महालक्ष्मी यंत्र)
अंकात्मक बीसा यंत्र	

ताम्र पत्र पर सुवर्ण पोलीस (Gold Plated)		ताम्र पत्र पर रजत पोलीस (Silver Plated)		ताम्र पत्र पर (Copper)	
साईज	मूल्य	साईज	मूल्य	साईज	मूल्य
1" X 1"	550	1" X 1"	370	1" X 1"	325
2" X 2"	910	2" X 2"	640	2" X 2"	550
3" X 3"	1450	3" X 3"	1050	3" X 3"	910
4" X 4"	2350	4" X 4"	1450	4" X 4"	1225
6" X 6"	3700	6" X 6"	2800	6" X 6"	2350
9" X 9"	9100	9" X 9"	4600	9" X 9"	4150
12" X12"	12700	12" X12"	9100	12" X12"	9100

23 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2018 साप्ताहिक पंचांग

दि	वार	माह	पक्ष	तिथि	समाप्ति	नक्षत्र	समाप्ति	योग	समाप्ति	करण	समाप्ति	चंद्र राशि	समाप्ति
23	रवि	पौष	कृष्ण	एकम	20:08	आद्रा	20:51	शुक्ल	09:20	बालव	09:44	मिथुन	-
24	सोम	पौष	कृष्ण	द्वितीया	16:52	पुनर्वसु	18:21	इन्द्र	25:42	गर	16:52	मिथुन	12:59
25	मंगल	पौष	कृष्ण	तृतीया	13:38	पुष्य	15:54	वैधृति	21:57	विष्टि	13:38	कर्क	-
26	बुध	पौष	कृष्ण	चतुर्थी	10:35	आश्लेषा	13:38	विषकुंभ	18:22	बालव	10:35	कर्क	13:39
27	गुरु	पौष	कृष्ण	पंचमी	07:50	मघा	11:40	प्रीति	15:02	तैतिल	07:50	सिंह	-
28	शुक्र	पौष	कृष्ण	षष्ठी-सप्तमी	05:43-27:33	पूर्वाफाल्गुनी	10:06	आयुष्मान	12:02	विष्टि	16:26	सिंह	15:47
29	शनि	पौष	कृष्ण	सप्तमी-अष्टमी	03:33-26:10	उत्तराफाल्गुनी	09:00	सौभाग्य	09:24	बालव	14:47	कन्या	-

23 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2018 साप्ताहिक व्रत-पर्व-त्यौहार

दि	वार	माह	पक्ष	तिथि	समाप्ति	प्रमुख व्रत-त्योहार
23	रवि	पौष	कृष्ण	एकम	20:08	-
24	सोम	पौष	कृष्ण	द्वितीया	16:52	-
25	मंगल	पौष	कृष्ण	तृतीया	13:38	अंगारकी श्रीगणेश चतुर्थी (चंद्रो.रात्रि 8:30 बजे), सौभाग्य सुंदरी व्रत मसीह ज., पुष्य (रात्रि 8.00 तक), ईसा मसीह जयंती-बड़ा दिन, क्रिसमस डे,
26	बुध	पौष	कृष्ण	चतुर्थी	10:35	-
27	गुरु	पौष	कृष्ण	पंचमी	07:50	-
28	शुक्र	पौष	कृष्ण	षष्ठी-सप्तमी	05:43-27:33	-
29	शनि	पौष	कृष्ण	सप्तमी-अष्टमी	03:33-26:10	कालाष्टमी व्रत,

मेष राशि:	वृषभ राशि:	मिथुन राशि:	कर्क राशि:	सिंह राशि:	कन्या राशि:
मूंगा	हीरा	पन्ना	मोती	माणेक	पन्ना
Red Coral (Special)	**Diamond (Special)**	**Green Emerald (Special)**	**Naturel Pearl (Special)**	**Ruby (Old Berma) (Special)**	**Green Emerald (Special)**
5.25" Rs. 1050	10 cent Rs. 4100	5.25" Rs. 9100	5.25" Rs. 910	2.25" Rs. 12500	5.25" Rs. 9100
6.25" Rs. 1250	20 cent Rs. 8200	6.25" Rs. 12500	6.25" Rs. 1250	3.25" Rs. 15500	6.25" Rs. 12500
7.25" Rs. 1450	30 cent Rs. 12500	7.25" Rs. 14500	7.25" Rs. 1450	4.25" Rs. 28000	7.25" Rs. 14500
8.25" Rs. 1800	40 cent Rs. 18500	8.25" Rs. 19000	8.25" Rs. 1900	5.25" Rs. 46000	8.25" Rs. 19000
9.25" Rs. 2100	50 cent Rs. 23500	9.25" Rs. 23000	9.25" Rs. 2300	6.25" Rs. 82000	9.25" Rs. 23000
10.25" Rs. 2800		10.25" Rs. 28000	10.25" Rs. 2800		10.25" Rs. 28000
** All Weight In Rati	All Diamond are Full White Colour.	** All Weight In Rati	** All Weight In Rati	** All Weight In Rati	** All Weight In Rati

तुला राशि:	वृश्चिक राशि:	धनु राशि:	मकर राशि:	कुंभ राशि:	मीन राशि:
हीरा	मूंगा	पुखराज	नीलम	नीलम	पुखराज
Diamond (Special)	**Red Coral (Special)**	**Y.Sapphire (Special)**	**B.Sapphire (Special)**	**B.Sapphire (Special)**	**Y.Sapphire (Special)**
10 cent Rs. 4100	5.25" Rs. 1050	5.25" Rs. 30000	5.25" Rs. 30000	5.25" Rs. 30000	5.25" Rs. 30000
20 cent Rs. 8200	6.25" Rs. 1250	6.25" Rs. 37000	6.25" Rs. 37000	6.25" Rs. 37000	6.25" Rs. 37000
30 cent Rs. 12500	7.25" Rs. 1450	7.25" Rs. 55000	7.25" Rs. 55000	7.25" Rs. 55000	7.25" Rs. 55000
40 cent Rs. 18500	8.25" Rs. 1800	8.25" Rs. 73000	8.25" Rs. 73000	8.25" Rs. 73000	8.25" Rs. 73000
50 cent Rs. 23500	9.25" Rs. 2100	9.25" Rs. 91000	9.25" Rs. 91000	9.25" Rs. 91000	9.25" Rs. 91000
	10.25" Rs. 2800	10.25" Rs.108000	10.25" Rs.108000	10.25" Rs.108000	10.25" Rs.108000
All Diamond are Full White Colour.	** All Weight In Rati	** All Weight In Rati	** All Weight In Rati	** All Weight In Rati	** All Weight In Rati

* उपयोक्त वजन और मूल्य से अधिक और कम वजन और मूल्य के रत्न एवं उपरत्न भी हमारे यहा व्यापारी मूल्य पर उप्लब्ध हैं।

>> Shop Online | Order Now

श्रीकृष्ण बीसा यंत्र

किसी भी व्यक्ति का जीवन तब आसान बन जाता हैं जब उसके चारों और का माहोल उसके अनुरुप उसके वश में हों। जब कोई व्यक्ति का आकर्षण दुसरो के उपर एक चुम्बकीय प्रभाव डालता हैं, तब लोग उसकी सहायता एवं सेवा हेतु तत्पर होते है और उसके प्रायः सभी कार्य बिना अधिक कष्ट व परेशानी से संपन्न हो जाते हैं। आज के भौतिकता वादि युग में हर व्यक्ति के लिये दूसरो को अपनी और खीचने हेतु एक प्रभावशालि चुंबकत्व को कायम रखना अति आवश्यक हो जाता हैं। आपका आकर्षण और व्यक्तित्व आपके चारो ओर से लोगों को आकर्षित करे इस लिये सरल उपाय हैं, **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र**। क्योकि भगवान श्री कृष्ण एक अलौकिव एवं दिवय चुंबकीय व्यक्तित्व के धनी थे। इसी कारण से **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** के पूजन एवं दर्शन से आकर्षक व्यक्तित्व प्राप्त होता हैं।

श्रीकृष्ण बीसा यंत्र के साथ व्यक्तिको दृढ़ इच्छा शक्ति एवं उर्जा प्राप्त होती हैं, जिस्से व्यक्ति हमेशा एक भीड में हमेशा आकर्षण का केंद्र रहता हैं।

यदि किसी व्यक्ति को अपनी प्रतिभा व आत्मविश्वास के स्तर में वृद्धि, अपने मित्रो व परिवारजनो के बिच में रिश्तो में सुधार करने की ईच्छा होती हैं उनके लिये **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** का पूजन एक सरल व सुलभ माध्यम साबित हो सकता हैं।

श्रीकृष्ण बीसा यंत्र पर अंकित शक्तिशाली विशेष रेखाएं, बीज मंत्र एवं अंको से व्यक्ति को अद्भुत आंतरिक शक्तियां प्राप्त होती हैं जो व्यक्ति को सबसे आगे एवं सभी क्षेत्रो में अग्रणिय बनाने में सहायक सिद्ध होती हैं।

श्रीकृष्ण बीसा यंत्र के पूजन व नियमित दर्शन के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त कर समाज में स्वयं का अद्वितीय स्थान स्थापित करें।

श्रीकृष्ण बीसा यंत्र अलौकिक ब्रह्मांडीय उर्जा का संचार करता हैं, जो एक प्राकृत्ति माध्यम से व्यक्ति के भीतर सद्भावना, समृद्धि, सफलता, उत्तम स्वास्थ्य, योग और ध्यान के लिये एक शक्तिशाली माध्यम हैं!

- **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** के पूजन से व्यक्ति के सामाजिक मान-सम्मान व पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होती हैं।
- विद्वानो के मतानुसार **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** के मध्यभाग पर ध्यान योग केंद्रित करने से व्यक्ति कि चेतना शक्ति जाग्रत होकर शीघ्र उच्च स्तर को प्राप्तहोती हैं।
- जो पुरुषों और महिला अपने साथी पर अपना प्रभाव डालना चाहते हैं और उन्हें अपनी और आकर्षित करना चाहते हैं। उनके लिये **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** उत्तम उपाय सिद्ध हो सकता हैं।
- पति-पत्नी में आपसी प्रम की वृद्धि और सुखी दाम्पत्य जीवन के लिये **श्रीकृष्ण बीसा यंत्र** लाभदायी होता हैं।

मूल्य:- Rs. 910 से Rs. 12700 तक उप्लब्द्ध >> Shop Online

श्रीकृष्ण बीसा कवच

श्रीकृष्ण बीसा कवच को केवल विशेष शुभ मुहुर्त में निर्माण किया जाता हैं। कवच को विद्वान कर्मकांडी ब्राहमणों द्वारा शुभ मुहुर्त में शास्त्रोक्त विधि-विधान से विशिष्ट तेजस्वी मंत्रो द्वारा सिद्ध प्राण-प्रतिष्ठित पूर्ण चैतन्य युक्त करके निर्माण किया जाता हैं। जिस के फल स्वरुप धारण करता व्यक्ति को शीघ्र पूर्ण लाभ प्राप्त होता हैं। कवच को गले में धारण करने से वहं अत्यंत प्रभाव शाली होता हैं। गले में धारण करने से कवच हमेशा हृदय के पास रहता हैं जिस्से व्यक्ति पर उसका लाभ अति तीव्र एवं शीघ्र ज्ञात होने लगता हैं।

मूलय मात्र: 2350 >>Order Now

जैन धर्मके विशिष्ट यंत्रो की सूची

श्री चौबीस तीर्थंकरका महान प्रभावित चमत्कारी यंत्र	श्री एकाक्षी नारियेर यंत्र
श्री चोबीस तीर्थंकर यंत्र	सर्वतो भद्र यंत्र
कल्पवृक्ष यंत्र	सर्व संपत्तिकर यंत्र
चिंतामणी पार्श्वनाथ यंत्र	सर्वकार्य-सर्व मनोकामना सिद्धिअ यंत्र (१३० सर्वतोभद्र यंत्र)
चिंतामणी यंत्र (पैंसठिया यंत्र)	ऋषि मंडल यंत्र
चिंतामणी चक्र यंत्र	जगदवल्लभ कर यंत्र
श्री चक्रेश्वरी यंत्र	ऋद्धि सिद्धि मनोकामना मान सम्मान प्राप्ति यंत्र
श्री घंटाकर्ण महावीर यंत्र	ऋद्धि सिद्धि समृद्धि दायक श्री महालक्ष्मी यंत्र
श्री घंटाकर्ण महावीर सर्व सिद्धि महायंत्र (अनुभव सिद्ध संपूर्ण श्री घंटाकर्ण महावीर पतका यंत्र)	विषम विष निग्रह कर यंत्र
श्री पद्मावती यंत्र	क्षुद्रो पद्रव निर्नाशन यंत्र
श्री पद्मावती बीसा यंत्र	बृहच्चक्र यंत्र
श्री पार्श्वपद्मावती ह्रींकार यंत्र	वंध्या शब्दापह यंत्र
पद्मावती व्यापार वृद्धि यंत्र	मृतवत्सा दोष निवारण यंत्र
श्री धरणेन्द्र पद्मावती यंत्र	कांक वंध्यादोष निवारण यंत्र
श्री पार्श्वनाथ ध्यान यंत्र	बालग्रह पीडा निवारण यंत्र
श्री पार्श्वनाथ प्रभुका यंत्र	लधुदेव कुल यंत्र
भक्तामर यंत्र (गाथा नंबर १ से ४४ तक)	नवगाथात्मक उवसग्गहरं स्तोत्रका विशिष्ट यंत्र
मणिभद्र यंत्र	उवसग्गहरं यंत्र
श्री यंत्र	श्री पंच मंगल महाश्रुत स्कंध यंत्र
श्री लक्ष्मी प्राप्ति और व्यापार वर्धक यंत्र	ह्रींकार मय बीज मंत्र
श्री लक्ष्मीकर यंत्र	वर्धमान विद्या पट्ट यंत्र
लक्ष्मी प्राप्ति यंत्र	विद्या यंत्र
महाविजय यंत्र	सौभाग्यकर यंत्र
विजयराज यंत्र	डाकिनी, शाकिनी, भय निवारक यंत्र
विजय पतका यंत्र	भूतादि निग्रह कर यंत्र
विजय यंत्र	ज्वर निग्रह कर यंत्र
सिद्धचक्र महायंत्र	शाकिनी निग्रह कर यंत्र
दक्षिण मुखाय शंख यंत्र	आपत्ति निवारण यंत्र
दक्षिण मुखाय यंत्र	शत्रुमुख स्तंभन यंत्र

श्री घंटाकर्ण महावीर सर्व सिद्धि महायंत्र

(अनुभव सिद्ध संपूर्ण श्री घंटाकर्ण महावीर पतका यंत्र)

घंटाकर्ण महावीर सर्व सिद्धि महायंत्र को स्थापीत करने से साधक की सर्व मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। सर्व प्रकार के रोग भूत-प्रेत आदि उपद्रव से रक्षण होता हैं। जहरीले और हिंसक प्राणीं से संबंधित भय दूर होते हैं। अग्नि भय, चोरभय आदि दूर होते हैं।

दुष्ट व असुरी शक्तियों से उत्पन्न होने वाले भय से यंत्र के प्रभाव से दूर हो जाते हैं।

यंत्र के पूजन से साधक को धन, सुख, समृद्धि, ऎश्वर्य, संतत्ति-संपत्ति आदि की प्राप्ति होती हैं। साधक की सभी प्रकार की सात्विक इच्छाओं की पूर्ति होती हैं।

यदि किसी परिवार या परिवार के सदस्यो पर वशीकरण, मारण, उच्चाटन इत्यादि जादू-टोने वाले प्रयोग किये गयें होतो इस यंत्र के प्रभाव से स्वतः नष्ट हो जाते हैं और भविष्य में यदि कोई प्रयोग करता हैं तो रक्षण होता हैं।

कुछ जानकारो के श्री घंटाकर्ण महावीर पतका यंत्र से जुडे अद्‍भुत अनुभव रहे हैं। यदि घर में श्री घंटाकर्ण महावीर पतका यंत्र स्थापित किया हैं और यदि कोई इर्षा, लोभ, मोह या शत्रुतावश यदि अनुचित कर्म करके किसी भी उद्देश्य से साधक को परेशान करने का प्रयास करता हैं तो यंत्र के प्रभाव से संपूर्ण परिवार का रक्षण तो होता ही हैं, कभी-कभी शत्रु के द्वारा किया गया अनुचित कर्म शत्रु पर ही उपर उलट वार होते देखा हैं। **मूल्य:- Rs. 2350 से Rs. 12700 तक उप्लब्द्ध**

>> **Shop Online** | **Order Now**

23 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2018 -विशेष योग			
कार्य सिद्धि योग			
25	प्रात:06:04 से 16 दिसं. प्रातः 03:01 तक		
विघ्नकारक भद्रा			
24	रात 03:22 से 25 दिस. दोपहर 01:47 तक (पृथ्वी)	28	प्रात 05:43 से संध्या 04:43 तक (पातल)

योग फल :

- कार्य सिद्धि योग मे किये गये शुभ कार्य मे निश्चित सफलता प्राप्त होती हैं, एसा शास्त्रोक्त वचन हैं।
- शास्त्रोंक्त मत से विघ्नकारक भद्रा योग में शुभ कार्य करना वर्जित हैं।

दैनिक शुभ एवं अशुभ समय ज्ञान तालिका

वार	गुलिक काल (शुभ) समय अवधि	यम काल (अशुभ) समय अवधि	राहु काल (अशुभ) समय अवधि
रविवार	03:00 से 04:30	12:00 से 01:30	04:30 से 06:00
सोमवार	01:30 से 03:00	10:30 से 12:00	07:30 से 09:00
मंगलवार	12:00 से 01:30	09:00 से 10:30	03:00 से 04:30
बुधवार	10:30 से 12:00	07:30 से 09:00	12:00 से 01:30
गुरुवार	09:00 से 10:30	06:00 से 07:30	01:30 से 03:00
शुक्रवार	07:30 से 09:00	03:00 से 04:30	10:30 से 12:00
शनिवार	06:00 से 07:30	01:30 से 03:00	09:00 से 10:30

दिन के चौघडिये

समय	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
06:00 से 07:30	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
07:30 से 09:00	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
09:00 से 10:30	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
10:30 से 12:00	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
12:00 से 01:30	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
01:30 से 03:00	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
03:00 से 04:30	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
04:30 से 06:00	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात के चौघडिये

समय	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
06:00 से 07:30	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
07:30 से 09:00	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
09:00 से 10:30	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
10:30 से 12:00	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
12:00 से 01:30	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
01:30 से 03:00	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
03:00 से 04:30	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
04:30 से 06:00	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

शास्त्रोक्त मत के अनुसार यदि किसी भी कार्य का प्रारंभ शुभ मुहूर्त या शुभ समय पर किया जाये तो कार्य में सफलता प्राप्त होने कि संभावना ज्यादा प्रबल हो जाती हैं। इस लिये दैनिक शुभ समय चौघड़िया देखकर प्राप्त किया जा सकता हैं।

नोट: प्रायः दिन और रात्रि के चौघड़िये कि गिनती क्रमशः सूर्योदय और सूर्यास्त से कि जाती हैं। प्रत्येक चौघड़िये कि अवधि 1 घंटा 30 मिनिट अर्थात डेढ़ घंटा होती हैं। समय के अनुसार चौघड़िये को शुभाशुभ तीन भागों में बांटा जाता हैं, जो क्रमशः शुभ, मध्यम और अशुभ हैं।

चौघडिये के स्वामी ग्रह

शुभ चौघडिया		मध्यम चौघडिया		अशुभ चौघड़िया	
चौघडिया	स्वामी ग्रह	चौघडिया	स्वामी ग्रह	चौघडिया	स्वामी ग्रह
शुभ	गुरु	चर	शुक्र	उद्वेग	सूर्य
अमृत	चंद्रमा			काल	शनि
लाभ	बुध			रोग	मंगल

* हर कार्य के लिये शुभ/अमृत/लाभ का चौघड़िया उत्तम माना जाता हैं।

* हर कार्य के लिये चल/काल/रोग/उद्वेग का चौघड़िया उचित नहीं माना जाता।

दिन कि होरा - सूर्योदय से सूर्यास्त तक												
वार	1.घं	2.घं	3.घं	4.घं	5.घं	6.घं	7.घं	8.घं	9.घं	10.घं	11.घं	12.घं
रविवार	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि
सोमवार	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य
मंगलवार	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र
बुधवार	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल
गुरुवार	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध
शुक्रवार	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु
शनिवार	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र
रात कि होरा – सूर्यास्त से सूर्योदय तक												
रविवार	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध
सोमवार	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु
मंगलवार	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र
बुधवार	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि
गुरुवार	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य
शुक्रवार	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र
शनिवार	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल	सूर्य	शुक्र	बुध	चंद्र	शनि	गुरु	मंगल

होरा मुहूर्त को कार्य सिद्धि के लिए पूर्ण फलदायक एवं अचूक माना जाता हैं, दिन-रात के २४ घंटों में शुभ-अशुभ समय को समय से पूर्व ज्ञात कर अपने कार्य सिद्धि के लिए प्रयोग करना चाहिये।

विद्वानो के मत से इच्छित कार्य सिद्धि के लिए ग्रह से संबंधित होरा का चुनाव करने से विशेष लाभ प्राप्त होता हैं।

- सूर्य कि होरा सरकारी कार्यो के लिये उत्तम होती हैं।
- चंद्रमा कि होरा सभी कार्यों के लिये उत्तम होती हैं।
- मंगल कि होरा कोर्ट-कचेरी के कार्यो के लिये उत्तम होती हैं।
- बुध कि होरा विद्या-बुद्धि अर्थात पढाई के लिये उत्तम होती हैं।
- गुरु कि होरा धार्मिक कार्य एवं विवाह के लिये उत्तम होती हैं।
- शुक्र कि होरा यात्रा के लिये उत्तम होती हैं।
- शनि कि होरा धन-द्रव्य संबंधित कार्य के लिये उत्तम होती हैं।

सर्व रोगनाशक यंत्र/कवच

मनुष्य अपने जीवन के विभिन्न समय पर किसी ना किसी साध्य या असाध्य रोग से ग्रस्त होता हैं। उचित उपचार से ज्यादातर साध्य रोगो से तो मुक्ति मिल जाती हैं, लेकिन कभी-कभी साध्य रोग होकर भी असाध्य होजाते हैं, या कोइ असाध्य रोग से ग्रसित होजाते हैं। हजारो लाखो रुपये खर्च करने पर भी अधिक लाभ प्राप्त नहीं हो पाता। डॉक्टर द्वारा दिजाने वाली दवाईया अल्प समय के लिये कारगर साबित होती हैं, एसी स्थिती में लाभ प्राप्ति के लिये व्यक्ति एक डॉक्टर से दूसरे डॉक्टर के चक्कर लगाने को बाध्य हो जाता हैं।

भारतीय ऋषीयोने अपने योग साधना के प्रताप से रोग शांति हेतु विभिन्न आयुर्वेर औषधो के अतिरिक्त यंत्र, मंत्र एवं तंत्र का उल्लेख अपने ग्रंथो में कर मानव जीवन को लाभ प्रदान करने का सार्थक प्रयास हजारो वर्ष पूर्व किया था। बुद्धिजीवो के मत से जो व्यक्ति जीवनभर अपनी दिनचर्या पर नियम, संयम रख कर आहार ग्रहण करता हैं, एसे व्यक्ति को विभिन्न रोग से ग्रसित होने की संभावना कम होती हैं। लेकिन आज के बदलते युग में एसे व्यक्ति भी भयंकर रोग से ग्रस्त होते दिख जाते हैं। क्योकि समग्र संसार काल के अधीन हैं। एवं मृत्यु निश्चित हैं जिसे विधाता के अलावा और कोई टाल नहीं सकता, लेकिन रोग होने कि स्थिती में व्यक्ति रोग दूर करने का प्रयास तो अवश्य कर सकता हैं। इस लिये **यंत्र मंत्र एवं तंत्र** के कुशल जानकार से योग्य मार्गदर्शन लेकर व्यक्ति रोगो से मुक्ति पाने का या उसके प्रभावो को कम करने का प्रयास भी अवश्य कर सकता हैं।

ज्योतिष विद्या के कुशल जानकर भी काल पुरुषकी गणना कर अनेक रोगो के अनेको रहस्य को उजागर कर सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र के माध्यम से रोग के मूलको पकडने मे सहयोग मिलता हैं, जहा आधुनिक चिकित्सा शास्त्र अक्षम होजाता हैं वहा ज्योतिष शास्त्र द्वारा रोग के मूल(जड़) को पकड कर उसका निदान करना लाभदायक एवं उपायोगी सिद्ध होता हैं।

हर व्यक्ति में लाल रंगकी कोशिकाए पाइ जाती हैं, जिसका नियमीत विकास क्रम बद्ध तरीके से होता रहता हैं। जब इन कोशिकाओ के क्रम में परिवर्तन होता है या विखंडिन होता हैं तब व्यक्ति के शरीर में स्वास्थ्य संबंधी विकारो उत्पन्न होते हैं। एवं इन कोशिकाओ का संबंध नव ग्रहो के साथ होता हैं। जिस्से रोगो के होने के कारण व्यक्ति के जन्मांग से दशा-महादशा एवं ग्रहो कि गोचर स्थिती से प्राप्त होता हैं।

सर्व रोग निवारण कवच एवं महामृत्युंजय यंत्र के माध्यम से व्यक्ति के जन्मांग में स्थित कमजोर एवं पीडित ग्रहो के अशुभ प्रभाव को कम करने का कार्य सरलता पूर्वक किया जासकता हैं। जेसे हर व्यक्ति को ब्रहमांड कि उर्जा एवं पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल प्रभावीत कर्ता हैं ठिक उसी प्रकार कवच एवं यंत्र के माध्यम से ब्रहमांड कि उर्जा के सकारात्मक प्रभाव से व्यक्ति को सकारात्मक उर्जा प्राप्त होती हैं जिस्से रोग के प्रभाव को कम कर रोग मुक्त करने हेतु सहायता मिलती हैं।

रोग निवारण हेतु महामृत्युंजय मंत्र एवं यंत्र का बडा महत्व हैं। जिस्से हिन्दू संस्कृति का प्रायः हर व्यक्ति महामृत्युंजय मंत्र से परिचित हैं।

कवच के लाभ :

- एसा शास्त्रोक्त वचन हैं जिस घर में महामृत्युंजय यंत्र स्थापित होता हैं वहा निवास कर्ता हो नाना प्रकार कि आधि-व्याधि-उपाधि से रक्षा होती हैं।
- पूर्ण प्राण प्रतिष्ठित एवं पूर्ण चैतन्य युक्त सर्व रोग निवारण कवच किसी भी उम्र एवं जाति धर्म के लोग चाहे स्त्री हो या पुरुष धारण कर सकते हैं।
- जन्मांगमें अनेक प्रकारके खराब योगो और खराब ग्रहो कि प्रतिकूलता से रोग उतपन्न होते हैं।
- कुछ रोग संक्रमण से होते हैं एवं कुछ रोग खान-पान कि अनियमितता और अशुद्धतासे उत्पन्न होते हैं। कवच एवं यंत्र द्वारा एसे अनेक प्रकार के खराब योगो को नष्ट कर, स्वास्थ्य लाभ और शारीरिक रक्षण प्राप्त करने हेतु सर्व रोगनाशक कवच एवं यंत्र सर्व उपयोगी होता हैं।
- आज के भौतिकता वादी आधुनिक युगमे अनेक एसे रोग होते हैं, जिसका उपचार ओपरेशन और दवासे भी कठिन हो जाता हैं। कुछ रोग एसे होते हैं जिसे बताने में लोग हिचकिचाते हैं शरम अनुभव करते हैं एसे रोगो को रोकने हेतु एवं उसके उपचार हेतु सर्व रोगनाशक कवच एवं यंत्र लाभादायि सिद्ध होता हैं।
- प्रत्येक व्यक्ति कि जेसे-जेसे आयु बढती हैं वैसे-वसै उसके शरीर कि ऊर्जा कम होती जाती हैं। जिसके साथ अनेक प्रकार के विकार पैदा होने लगते हैं एसी स्थिती में उपचार हेतु सर्वरोगनाशक कवच एवं यंत्र फलप्रद होता हैं।
- जिस घर में पिता-पुत्र, माता-पुत्र, माता-पुत्री, या दो भाई एक हि नक्षत्रमे जन्म लेते हैं, तब उसकी माता के लिये अधिक कष्टदायक स्थिती होती हैं। उपचार हेतु महामृत्युंजय यंत्र फलप्रद होता हैं।
- जिस व्यक्ति का जन्म परिधि योगमे होता हैं उन्हे होने वाले मृत्यु तुल्य कष्ट एवं होने वाले रोग, चिंता में उपचार हेतु सर्व रोगनाशक कवच एवं यंत्र शुभ फलप्रद होता हैं।

नोट:- पूर्ण प्राण प्रतिष्ठित एवं पूर्ण चैतन्य युक्त सर्व रोग निवारण कवच एवं यंत्र के बारे में अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें।

Declaration Notice

- We do not accept liability for any out of date or incorrect information.
- We will not be liable for your any indirect consequential loss, loss of profit,
- If you will cancel your order for any article we can not any amount will be refunded or Exchange.
- We are keepers of secrets. We honour our clients' rights to privacy and will release no information about our any other clients' transactions with us.
- Our ability lies in having learned to read the subtle spiritual energy, Yantra, mantra and promptings of the natural and spiritual world.
- Our skill lies in communicating clearly and honestly with each client.
- Our all kawach, yantra and any other article are prepared on the Principle of Positiv energy, our Article dose not produce any bad energy.

Our Goal

- Here Our goal has The classical Method-Legislation with Proved by specific with fiery chants prestigious full consciousness (Puarn Praan Pratisthit) Give miraculous powers & Good effect All types of Yantra, Kavach, Rudraksh, preciouse and semi preciouse Gems stone deliver on your door step.

मंत्र सिद्ध कवच

मंत्र सिद्ध कवच को विशेष प्रयोजन में उपयोग के लिए और शीघ्र प्रभाव शाली बनाने के लिए तेजस्वी मंत्रो द्वारा शुभ महूर्त में शुभ दिन को तैयार किये जाते है। अलग-अलग कवच तैयार करने केलिए अलग-अलग तरह के मंत्रो का प्रयोग किया जाता है।

❖ क्यों चुने मंत्र सिद्ध कवच? ❖ उपयोग में आसान कोई प्रतिबन्ध नहीं ❖ कोई विशेष निति-नियम नहीं ❖ कोई बुरा प्रभाव नहीं

मंत्र सिद्ध कवच सूचि

कवच	मूल्य	कवच	मूल्य
राज राजेश्वरी कवच Raj Rajeshwari Kawach	11000	विष्णु बीसा कवच Vishnu Visha Kawach	2350
अमोघ महामृत्युंजय कवच Amogh Mahamrutyunjay Kawach	10900	रामभद्र बीसा कवच Ramabhadra Visha Kawach	2350
दस महाविद्या कवच Dus Mahavidhya Kawach	7300	कुबेर बीसा कवच Kuber Visha Kawach	2350
श्री घंटाकर्ण महावीर सर्व सिद्धि प्रद कवच Shri Ghantakarn Mahavir Sarv Siddhi Prad Kawach..	6400	गरुड बीसा कवच Garud Visha Kawach	2350
सकल सिद्धि प्रद गायत्री कवच Sakal Siddhi Prad Gayatri Kawach	6400	लक्ष्मी बीसा कवच Lakshmi Visha Kawach	2350
नवदुर्गा शक्ति कवच Navdurga Shakiti Kawach	6400	सिंह बीसा कवच Sinha Visha Kawach	2350
रसायन सिद्धि कवच Rasayan Siddhi Kawach	6400	नर्वाण बीसा कवच Narvan Visha Kawach	2350
पंचदेव शक्ति कवच Pancha Dev Shakti Kawach	6400	संकट मोचिनी कालिका सिद्धि कवच Sankat Mochinee Kalika Siddhi Kawach	2350
सर्व कार्य सिद्धि कवच Sarv Karya Siddhi Kawach	5500	राम रक्षा कवच Ram Raksha Kawach	2350
सुवर्ण लक्ष्मी कवच Suvarn Lakshmi Kawach	4600	नारायण रक्षा कवच Narayan Raksha Kavach	2350
स्वर्णाकर्षण भैरव कवच Swarnakarshan Bhairav Kawach	4600	हनुमान रक्षा कवच Hanuman Raksha Kawach	2350
कालसर्प शांति कवच Kalsharp Shanti Kawach	3700	भैरव रक्षा कवच Bhairav Raksha Kawach	2350
विलक्षण सकल राज वशीकरण कवच Vilakshan Sakal Raj Vasikaran Kawach	3250	शनि साड़ेसाती और ढ़ैया कष्ट निवारण कवच Shani Sadesatee aur Dhaiya Kasht Nivaran Kawach	2350
इष्ट सिद्धि कवच Isht Siddhi Kawach	2800	श्रापित योग निवारण कवच Sharapit Yog Nivaran Kawach	1900
परदेश गमन और लाभ प्राप्ति कवच Pardesh Gaman Aur Labh Prapti Kawach	2350	विष योग निवारण कवच Vish Yog Nivaran Kawach	1900
श्रीदुर्गा बीसा कवच Durga Visha Kawach	2350	सर्वजन वशीकरण कवच Sarvjan Vashikaran Kawach	1450
कृष्ण बीसा कवच Krushna Bisa Kawach	2350	सिद्धि विनायक कवच Siddhi Vinayak Ganapati Kawach	1450
अष्ट विनायक कवच Asht Vinayak Kawach	2350	सकल सम्मान प्राप्ति कवच Sakal Samman Praapti Kawach	1450
आकर्षण वृद्धि कवच Aakarshan Vruddhi Kawach	1450	स्वप्न भय निवारण कवच Swapna Bhay Nivaran Kawach	1050

वशीकरण नाशक कवच Vasikaran Nashak Kawach	1450	सरस्वती कवच (कक्षा +10 के लिए) Saraswati Kawach (For Class +10)	1050
प्रीति नाशक कवच Preeti Nashak Kawach	1450	सरस्वती कवच (कक्षा 10 तकके लिए) Saraswati Kawach (For up to Class 10)	910
चंडाल योग निवारण कवच Chandal Yog Nivaran Kawach	1450	वशीकरण कवच (2-3 व्यक्तिके लिए) Vashikaran Kawach For (For 2-3 Person)	1250
ग्रहण योग निवारण कवच Grahan Yog Nivaran Kawach	1450	पत्नी वशीकरण कवच Patni Vasikaran Kawach	820
मांगलिक योग निवारण कवच (कुजा योग) Magalik Yog Nivaran Kawach (Kuja Yoga)	1450	पति वशीकरण कवच Pati Vasikaran Kawach	820
अष्ट लक्ष्मी कवच Asht Lakshmi Kawach	1250	वशीकरण कवच (1 व्यक्ति के लिए) Vashikaran Kawach (For 1 Person)	820
आकस्मिक धन प्राप्ति कवच Akashmik Dhan Prapti Kawach	1250	सुदर्शन बीसा कवच Sudarshan Visha Kawach	910
स्पे.व्यापार वृद्धि कवच Special Vyapar Vruddhi Kawach	1250	महा सुदर्शन कवच Mahasudarshan Kawach	910
धन प्राप्ति कवच Dhan Prapti Kawach	1250	तंत्र रक्षा कवच Tantra Raksha Kawach	910
कार्य सिद्धि कवच Karya Siddhi Kawach	1250	वशीकरण कवच (2-3 व्यक्तिके लिए) Vashikaran Kawach For (For 2-3 Person)	1250
भूमिलाभ कवच Bhumilabh Kawach	1250	पत्नी वशीकरण कवच Patni Vasikaran Kawach	820
नवग्रह शांति कवच Navgrah Shanti Kawach	1250	पति वशीकरण कवच Pati Vasikaran Kawach	820
संतान प्राप्ति कवच Santan Prapti Kawach	1250	वशीकरण कवच (1 व्यक्ति के लिए) Vashikaran Kawach (For 1 Person)	820
कामदेव कवच Kamdev Kawach	1250	सुदर्शन बीसा कवच Sudarshan Visha Kawach	910
हंस बीसा कवच Hans Visha Kawach	1250	महा सुदर्शन कवच Mahasudarshan Kawach	910
पदौन्नति कवच Padounnati Kawach	1250	तंत्र रक्षा कवच Tantra Raksha Kawach	910
ऋण / कर्ज मुक्ति कवच Rin / Karaj Mukti Kawach	1250	त्रिशूल बीसा कवच Trishool Visha Kawach	910
शत्रु विजय कवच Shatru Vijay Kawach	1050	व्यापर वृद्धि कवच Vyapar Vruddhi Kawach	910
विवाह बाधा निवारण कवच Vivah Badha Nivaran Kawach	1050	सर्व रोग निवारण कवच Sarv Rog Nivaran Kawach	910
स्वस्तिक बीसा कवच Swastik Visha Kawach	1050	शारीरिक शक्ति वर्धक कवच Sharirik Shakti Vardhak Kawach	910
मस्तिष्क पृष्टि वर्धक कवच Mastishk Prushti Vardhak Kawach	820	सिद्ध शुक्र कवच Siddha Shukra Kawach	820

वाणी पृष्टि वर्धक कवच Vani Prushti Vardhak Kawach	820	सिद्ध शनि कवच Siddha Shani Kawach	820
कामना पूर्ति कवच Kamana Poorti Kawach	820	सिद्ध राहु कवच Siddha Rahu Kawach	820
विरोध नाशक कवच Virodh Nashan Kawach	820	सिद्ध केतु कवच Siddha Ketu Kawach	820
सिद्ध सूर्य कवच Siddha Surya Kawach	820	रोजगार वृद्धि कवच Rojgar Vruddhi Kawach	730
सिद्ध चंद्र कवच Siddha Chandra Kawach	820	विघ्न बाधा निवारण कवच Vighna Badha Nivaran Kawah	730
सिद्ध मंगल कवच (कुजा) Siddha Mangal Kawach (Kuja)	820	नज़र रक्षा कवच Najar Raksha Kawah	730
सिद्ध बुध कवच Siddha Bhudh Kawach	820	रोजगार प्राप्ति कवच Rojagar Prapti Kawach	730
सिद्ध गुरु कवच Siddha Guru Kawach	820	दुर्भाग्य नाशक कवच Durbhagya Nashak	640

Gemstone Price List

NAME OF GEM STONE		GENERAL	MEDIUM FINE	FINE	SUPER FINE	SPECIAL
Emerald	(पन्ना)	200.00	500.00	1200.00	1900.00	2800.00 & above
Yellow Sapphire	(पुखराज)	550.00	1200.00	1900.00	2800.00	4600.00 & above
Yellow Sapphire Bangkok	(बैंकोक पुखराज)	550.00	1200.00	1900.00	2800.00	4600.00 & above
Blue Sapphire	(नीलम)	550.00	1200.00	1900.00	2800.00	4600.00 & above
White Sapphire	(सफ़ेद पुखराज)	1000.00	1200.00	1900.00	2800.00	4600.00 & above
Bangkok Black Blue	**(बैंकोक नीलम)**	100.00	150.00	190.00	550.00	1000.00 & above
Ruby	(माणिक)	100.00	190.00	370.00	730.00	1900.00 & above
Ruby Berma	(बर्मा माणिक)	5500.00	6400.00	8200.00	10000.00	21000.00 & above
Speenal	(नरम माणिक/लालडी)	300.00	600.00	1200.00	2100.00	3200.00 & above
Pearl	(मोति)	30.00	60.00	90.00	120.00	280.00 & above
Red Coral (4 रति तक)	(लाल मूंगा)	125.00	190.00	280.00	370.00	460.00 & above
Red Coral (4 रति से उपर)	(लाल मूंगा)	190.00	280.00	370.00	460.00	550.00 & above
White Coral	(सफ़ेद मूंगा)	73.00	100.00	190.00	280.00	460.00 & above
Cat's Eye	(लहसुनिया)	25.00	45.00	90.00	120.00	190.00 & above
Cat's Eye ODISHA	(उडिसा लहसुनिया)	280.00	460.00	730.00	1000.00	1900.00 & above
Gomed	(गोमेद)	19.00	28.00	45.00	100.00	190.00 & above
Gomed CLN	(सिलोनी गोमेद)	190.00	280.00	460.00	730.00	1000.00 & above
Zarakan	(जरकन)	550.00	730.00	820.00	1050.00	1250.00 & above
Aquamarine	(बेरुज)	210.00	320.00	410.00	550.00	730.00 & above
Lolite	(नीली)	50.00	120.00	230.00	390.00	500.00 & above
Turquoise	(फ़िरोजा)	100.00	145.00	190.00	280.00	460.00 & above
Golden Topaz	(सुनहला)	28.00	46.00	90.00	120.00	190.00 & above
Real Topaz	(उडिसा पुखराज/टोपज)	100.00	190.00	280.00	460.00	640.00 & above
Blue Topaz	**(नीला टोपज)**	100.00	190.00	280.00	460.00	640.00 & above
White Topaz	(सफ़ेद टोपज)	60.00	90.00	120.00	240.00	410.00& above
Amethyst	(कटेला)	28.00	46.00	90.00	120.00	190.00 & above
Opal	(उपल)	28.00	46.00	90.00	190.00	460.00 & above
Garnet	(गारनेट)	28.00	46.00	90.00	120.00	190.00 & above
Tourmaline	(तुर्मलीन)	120.00	140.00	190.00	300.00	730.00 & above
Star Ruby	(सुर्यकान्त मणि)	45.00	75.00	90.00	120.00	190.00 & above
Black Star	(काला स्टार)	15.00	30.00	45.00	60.00	100.00 & above
Green Onyx	(ओनेक्स)	10.00	19.00	28.00	55.00	100.00 & above
Lapis	(लाजर्वत)	15.00	28.00	45.00	100.00	190.00 & above
Moon Stone	(चन्द्रकान्त मणि)	12.00	19.00	28.00	55.00	190.00 & above
Rock Crystal	(स्फ़टिक)	19.00	46.00	15.00	30.00	45.00 & above
Kidney Stone	(दाना फ़िरंगी)	09.00	11.00	15.00	19.00	21.00 & above
Tiger Eye	(टाइगर स्टोन)	03.00	05.00	10.00	15.00	21.00 & above
Jade	(मरगच)	12.00	19.00	23.00	27.00	45.00 & above
Sun Stone	(सन सितारा)	12.00	19.00	23.00	27.00	45.00 & above

Note : **Bangkok** (Black) Blue for Shani, not good in looking but mor effective, **Blue Topaz** not Sapphire This Color of Sky Blue, For Venus

GURUTVA KARYALAY

92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ODISHA)

Call Us - 09338213418, 09238328785

Email Us:- chintan_n_joshi@yahoo.co.in, gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

Visit Us: www.gurutvakaryalay.com | www.gurutvajyotish.com | www.gurutvakaryalay.blogspot.com

(ALL DISPUTES SUBJECT TO BHUBANESWAR JURISDICTION)

GURUTVA KARYALAY

	YANTRA LIST	EFFECTS
	Our Splecial Yantra	
1	12 – YANTRA SET	For all Family Troubles
2	VYAPAR VRUDDHI YANTRA	For Business Development
3	BHOOMI LABHA YANTRA	For Farming Benefits
4	TANTRA RAKSHA YANTRA	For Protection Evil Sprite
5	AAKASMIK DHAN PRAPTI YANTRA	For Unexpected Wealth Benefits
6	PADOUNNATI YANTRA	For Getting Promotion
7	RATNE SHWARI YANTRA	For Benefits of Gems & Jewellery
8	BHUMI PRAPTI YANTRA	For Land Obtained
9	GRUH PRAPTI YANTRA	For Ready Made House
10	KAILASH DHAN RAKSHA YANTRA	-
	Shastrokt Yantra	
11	AADHYA SHAKTI AMBAJEE(DURGA) YANTRA	Blessing of Durga
12	BAGALA MUKHI YANTRA (PITTAL)	Win over Enemies
13	BAGALA MUKHI POOJAN YANTRA (PITTAL)	Blessing of Bagala Mukhi
14	BHAGYA VARDHAK YANTRA	For Good Luck
15	BHAY NASHAK YANTRA	For Fear Ending
16	CHAMUNDA BISHA YANTRA (Navgraha Yukta)	Blessing of Chamunda & Navgraha
17	CHHINNAMASTA POOJAN YANTRA	Blessing of Chhinnamasta
18	DARIDRA VINASHAK YANTRA	For Poverty Ending
19	DHANDA POOJAN YANTRA	For Good Wealth
20	DHANDA YAKSHANI YANTRA	For Good Wealth
21	GANESH YANTRA (Sampurna Beej Mantra)	Blessing of Lord Ganesh
22	GARBHA STAMBHAN YANTRA	For Pregnancy Protection
23	GAYATRI BISHA YANTRA	Blessing of Gayatri
24	HANUMAN YANTRA	Blessing of Lord Hanuman
25	JWAR NIVARAN YANTRA	For Fewer Ending
26	JYOTISH TANTRA GYAN VIGYAN PRAD SHIDDHA BISHA YANTRA	For Astrology & Spritual Knowlage
27	KALI YANTRA	Blessing of Kali
28	KALPVRUKSHA YANTRA	For Fullfill your all Ambition
29	KALSARP YANTRA (NAGPASH YANTRA)	Destroyed negative effect of Kalsarp Yoga
30	KANAK DHARA YANTRA	Blessing of Maha Lakshami
31	KARTVIRYAJUN POOJAN YANTRA	-
32	KARYA SHIDDHI YANTRA	For Successes in work
33	• SARVA KARYA SHIDDHI YANTRA	For Successes in all work
34	KRISHNA BISHA YANTRA	Blessing of Lord Krishna
35	KUBER YANTRA	Blessing of Kuber (Good wealth)
36	LAGNA BADHA NIVARAN YANTRA	For Obstaele Of marriage
37	LAKSHAMI GANESH YANTRA	Blessing of Lakshami & Ganesh
38	MAHA MRUTYUNJAY YANTRA	For Good Health
39	MAHA MRUTYUNJAY POOJAN YANTRA	Blessing of Shiva
40	MANGAL YANTRA (TRIKON 21 BEEJ MANTRA)	For Fullfill your all Ambition
41	MANO VANCHHIT KANYA PRAPTI YANTRA	For Marriage with choice able Girl
42	NAVDURGA YANTRA	Blessing of Durga

	YANTRA LIST	EFFECTS
43	NAVGRAHA SHANTI YANTRA	For good effect of 9 Planets
44	NAVGRAHA YUKTA BISHA YANTRA	For good effect of 9 Planets
45	• SURYA YANTRA	Good effect of Sun
46	• CHANDRA YANTRA	Good effect of Moon
47	• MANGAL YANTRA	Good effect of Mars
48	• BUDHA YANTRA	Good effect of Mercury
49	• GURU YANTRA (BRUHASPATI YANTRA)	Good effect of Jyupiter
50	• SUKRA YANTRA	Good effect of Venus
51	• SHANI YANTRA (COPER & STEEL)	Good effect of Saturn
52	• RAHU YANTRA	Good effect of Rahu
53	• KETU YANTRA	Good effect of Ketu
54	PITRU DOSH NIVARAN YANTRA	For Ancestor Fault Ending
55	PRASAW KASHT NIVARAN YANTRA	For Pregnancy Pain Ending
56	RAJ RAJESHWARI VANCHA KALPLATA YANTRA	For Benefits of State & Central Gov
57	RAM YANTRA	Blessing of Ram
58	RIDDHI SHIDDHI DATA YANTRA	Blessing of Riddhi-Siddhi
59	ROG-KASHT DARIDRATA NASHAK YANTRA	For Disease- Pain- Poverty Ending
60	SANKAT MOCHAN YANTRA	For Trouble Ending
61	SANTAN GOPAL YANTRA	Blessing Lorg Krishana For child acquisition
62	SANTAN PRAPTI YANTRA	For child acquisition
63	SARASWATI YANTRA	Blessing of Sawaswati (For Study & Education)
64	SHIV YANTRA	Blessing of Shiv
65	SHREE YANTRA (SAMPURNA BEEJ MANTRA)	Blessing of Maa Lakshami for Good Wealth & Peace
66	SHREE YANTRA SHREE SUKTA YANTRA	Blessing of Maa Lakshami for Good Wealth
67	SWAPNA BHAY NIVARAN YANTRA	For Bad Dreams Ending
68	VAHAN DURGHATNA NASHAK YANTRA	For Vehicle Accident Ending
69	VAIBHAV LAKSHMI YANTRA (MAHA SHIDDHI DAYAK SHREE MAHALAKSHAMI YANTRA)	Blessing of Maa Lakshami for Good Wealth & All Successes
70	VASTU YANTRA	For Bulding Defect Ending
71	VIDHYA YASH VIBHUTI RAJ SAMMAN PRAD BISHA YANTRA	For Education- Fame- state Award Winning
72	VISHNU BISHA YANTRA	Blessing of Lord Vishnu (Narayan)
73	VASI KARAN YANTRA	Attraction For office Purpose
74	• MOHINI VASI KARAN YANTRA	Attraction For Female
75	• PATI VASI KARAN YANTRA	Attraction For Husband
76	• PATNI VASI KARAN YANTRA	Attraction For Wife
77	• VIVAH VASHI KARAN YANTRA	Attraction For Marriage Purpose

Yantra Available @:- Rs- 325 to 12700 and Above…..

सूचना

- पत्रिका में प्रकाशित सभी लेख पत्रिका के अधिकारों के साथ ही आरक्षित हैं।
- लेख प्रकाशित होना का मतलब यह कतई नहीं कि कार्यालय या संपादक भी इन विचारो से सहमत हों।
- नास्तिक/ अविश्वासु व्यक्ति मात्र पठन सामग्री समझ सकते हैं।
- पत्रिका में प्रकाशित किसी भी नाम, स्थान या घटना का उल्लेख यहां किसी भी व्यक्ति विशेष या किसी भी स्थान या घटना से कोई संबंध नहीं हैं।
- प्रकाशित लेख ज्योतिष, अंक ज्योतिष, वास्तु, मंत्र, यंत्र, तंत्र, आध्यात्मिक ज्ञान पर आधारित होने के कारण यदि किसी के लेख, किसी भी नाम, स्थान या घटना का किसी के वास्तविक जीवन से मेल होता हैं तो यह मात्र एक संयोग हैं।
- प्रकाशित सभी लेख भारतिय आध्यात्मिक शास्त्रों से प्रेरित होकर लिये जाते हैं। इस कारण इन विषयो कि सत्यता अथवा प्रामाणिकता पर किसी भी प्रकार कि जिन्मेदारी कार्यालय या संपादक कि नहीं हैं।
- अन्य लेखको द्वारा प्रदान किये गये लेख/प्रयोग कि प्रामाणिकता एवं प्रभाव कि जिन्मेदारी कार्यालय या संपादक कि नहीं हैं। और नाहीं लेखक के पते ठिकाने के बारे में जानकारी देने हेतु कार्यालय या संपादक किसी भी प्रकार से बाध्य हैं।
- ज्योतिष, अंक ज्योतिष, वास्तु, मंत्र, यंत्र, तंत्र, आध्यात्मिक ज्ञान पर आधारित लेखो में पाठक का अपना विश्वास होना आवश्यक हैं। किसी भी व्यक्ति विशेष को किसी भी प्रकार से इन विषयो में विश्वास करने ना करने का अंतिम निर्णय स्वयं का होगा।
- पाठक द्वारा किसी भी प्रकार कि आपत्ती स्वीकार्य नहीं होगी।
- हमारे द्वारा पोस्ट किये गये सभी लेख हमारे वर्षो के अनुभव एवं अनुशंधान के आधार पर लिखे होते हैं। हम किसी भी व्यक्ति विशेष द्वारा प्रयोग किये जाने वाले मंत्र- यंत्र या अन्य प्रयोग या उपायोकी जिन्मेदारी नहिं लेते हैं।
- यह जिन्मेदारी मंत्र-यंत्र या अन्य प्रयोग या उपायोको करने वाले व्यक्ति कि स्वयं कि होगी। क्योकि इन विषयो में नैतिक मानदंडों, सामाजिक, कानूनी नियमों के खिलाफ कोई व्यक्ति यदि नीजी स्वार्थ पूर्ति हेतु प्रयोग कर्ता हैं अथवा प्रयोग के करने मे त्रुटि होने पर प्रतिकूल परिणाम संभव हैं।
- हमारे द्वारा पोस्ट किये गये सभी मंत्र-यंत्र या उपाय हमने सैकडोबार स्वयं पर एवं अन्य हमारे बंधुगण पर प्रयोग किये हैं जिस्से हमे हर प्रयोग या मंत्र-यंत्र या उपायो द्वारा निश्चित सफलता प्राप्त हुई हैं।
- पाठकों कि मांग पर एक हि लेखका पूनः प्रकाशन करने का अधिकार रखता हैं। पाठकों को एक लेख के पूनः प्रकाशन से लाभ प्राप्त हो सकता हैं।
- अधिक जानकारी हेतु आप कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

(सभी विवादो केलिये केवल भुवनेश्वर न्यायालय ही मान्य होगा।)

FREE
E CIRCULAR

गुरुत्व ज्योतिष साप्ताहिक ई-पत्रिका

23 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2018

संपादक

चिंतन जोशी

संपर्क

गुरुत्व ज्योतिष विभाग

गुरुत्व कार्यालय

92/3. BANK COLONY,
BRAHMESHWAR PATNA,
BHUBNESWAR-751018,
(ODISHA) INDIA

फोन

91+9338213418, 91+9238328785

ईमेल

gurutva.karyalay@gmail.com,
gurutva_karyalay@yahoo.in,

वेब

www.gurutvakaryalay.com

www.gurutvajyotish.com

www.shrigems.com

http://gk.yolasite.com/

www.gurutvakaryalay.blogspot.com

हमारा उद्देश्य

प्रिय आत्मिय

बंधु/ बहिन

जय गुरुदेव

जहाँ आधुनिक विज्ञान समाप्त हो जाता हैं। वहां आध्यात्मिक ज्ञान प्रारंभ हो जाता हैं, भौतिकता का आवरण ओढे व्यक्ति जीवन में हताशा और निराशा में बंध जाता हैं, और उसे अपने जीवन में गतिशील होने के लिए मार्ग प्राप्त नहीं हो पाता क्योकि भावनाए हि भवसागर हैं, जिसमे मनुष्य की सफलता और असफलता निहित हैं। उसे पाने और समजने का सार्थक प्रयास ही श्रेष्ठकर सफलता हैं। सफलता को प्राप्त करना आप का भाग्य ही नहीं अधिकार हैं। ईसी लिये हमारी शुभ कामना सदैव आप के साथ हैं। आप अपने कार्य-उद्देश्य एवं अनुकूलता हेतु यंत्र, ग्रह रत्न एवं उपरत्न और दुर्लभ मंत्र शक्ति से पूर्ण प्राण-प्रतिष्ठित चिज वस्तु का हमेंशा प्रयोग करे जो १००% फलदायक हो। ईसी लिये हमारा उद्देश्य यहीं हे की शास्त्रोक्त विधि-विधान से विशिष्ट तेजस्वी मंत्रो द्वारा सिद्ध प्राण-प्रतिष्ठित पूर्ण चैतन्य युक्त सभी प्रकार के यन्त्र- कवच एवं शुभ फलदायी ग्रह रत्न एवं उपरत्न आपके घर तक पहोचाने का हैं।

सूर्य की किरणे उस घर में प्रवेश करापाती हैं।
जीस घर के खिड़की दरवाजे खुले हों।

GURUTVA KARYALAY
92/3. BANK COLONY, BRAHMESHWAR PATNA, BHUBNESWAR-751018, (ODISHA)
Call Us - 9338213418, 9238328785
Visit Us: www.gurutvakaryalay.com | www.gurutvajyotish.com | www.gurutvakaryalay.blogspot.com
Email Us:- gurutva_karyalay@yahoo.in, gurutva.karyalay@gmail.com

GURUTVA JYOTISH

Weekly

23-Dec to 29-Dec 2018